

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W4CZ321189	ImageGroup:	I4CZ327143
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	གཤམ་རིག་དཔེ་དཀོན་ཕྱོགས་བསྐྱུས། (ཤིང་པར) gso rig dpe dkon phyogs bsdus/ (shing par)
Author:	n/a
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Avenue, Cambridge, MA 02138 US.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय



॥५॥

[illegible]

49

[illegible]



567

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

८३१

[illegible]

[The page contains extremely faint, illegible handwritten notes.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

201 | ཁྱིམ་འཁྱིལ་པས་ཕྱུང་ཤི་བྱིད་ནི་དེ་མཁས་མཆོག་ཀྱིས་ཁྱུང་དོན་གྱི་ཐུགས་ཀྱིས་འཕྲུལ་བའི་མི་ཆོས་ཀྱི་ཕྱི་ལོ་ལ་འཕྲུག་སོ།

३३. कर्मिणोऽपि वा पुनर्मात्रे

19

॥३॥

[illegible]

12

一

[illegible]

40

—42—

[illegible]

[illegible]

531

卷之四

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a list or table of contents, written in a cursive script. The text is organized into columns and rows, with some entries appearing to be numbered or indexed. The script is dense and fills the majority of the page area.

Handwritten text on the right margin, possibly a page number or a reference note, written vertically.

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a letter or document, spanning the width of the page. The text is written in dark ink on aged, slightly discolored paper. The handwriting is dense and fills most of the page area.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे
 अष्टादशोऽध्यायः ॥ १ ॥

19

151

[illegible]

[illegible]

20

四

[illegible]

[illegible]

— 2 —

1

[illegible]

This image shows a blank, aged, cream-colored page, likely an endpaper or flyleaf of a book. The paper has a slightly textured appearance with some minor creases and discoloration, characteristic of old paper. The left edge of the page is bound, showing the stitching or staples of the book's binding. The overall tone is a warm, off-white or light beige.

2

7

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is arranged in approximately 10 horizontal lines. The ink is dark, and the background is light-colored paper. The text is enclosed within a double-line border.

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

3
4

15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

[Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side.]

6-27

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.



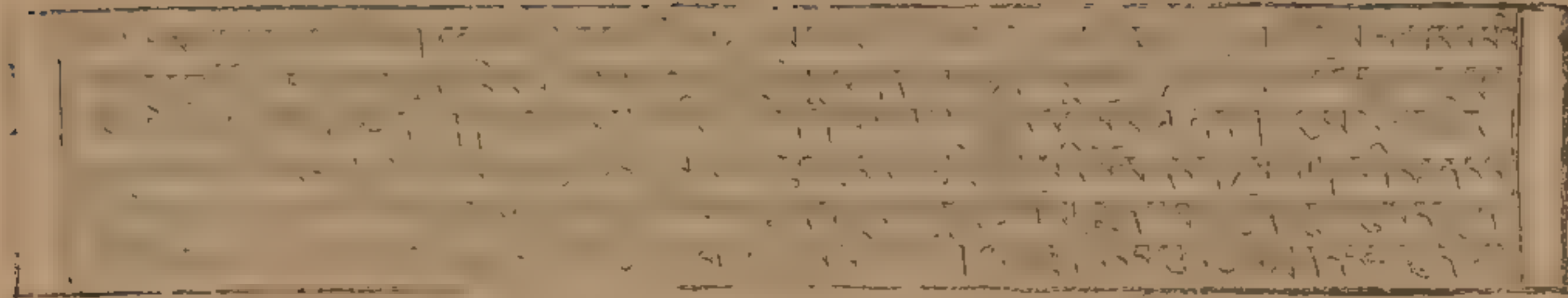
[The text in this section is extremely faded and illegible.]



[illegible]



[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]



[illegible]

[illegible]

ॐ

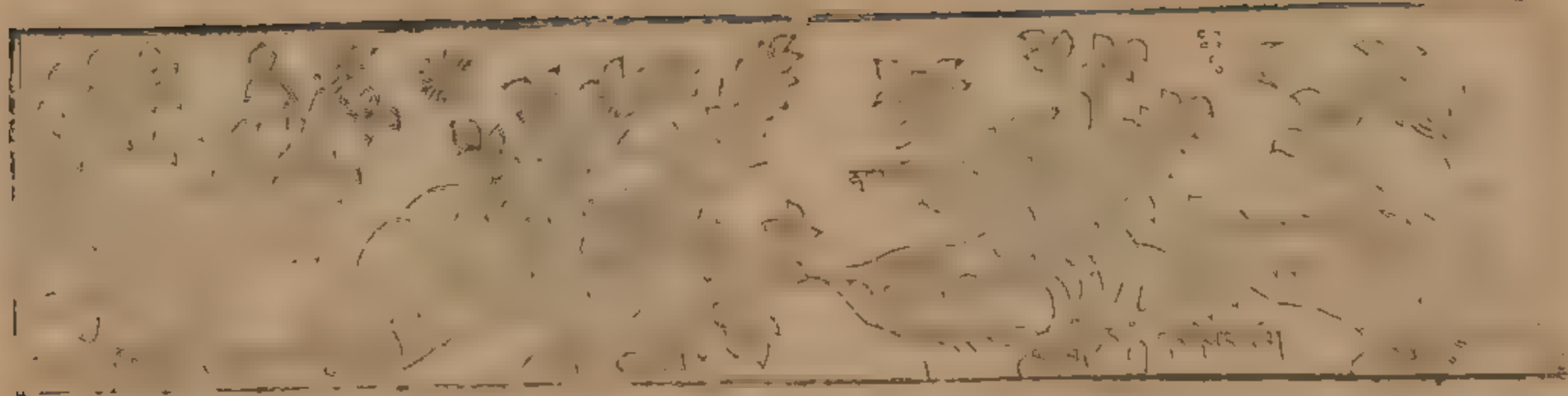
॥ १॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ नमो ॥



三

[illegible]

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-----|------|----|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 | 101 | 102 | 103 | 104 | 105 | 106 | 107 | 108 | 109 | 110 | 111 | 112 | 113 | 114 | 115 | 116 | 117 | 118 | 119 | 120 | 121 | 122 | 123 | 124 | 125 | 126 | 127 | 128 | 129 | 130 | 131 | 132 | 133 | 134 | 135 | 136 | 137 | 138 | 139 | 140 | 141 | 142 | 143 | 144 | 145 | 146 | 147 | 148 | 149 | 150 | 151 | 152 | 153 | 154 | 155 | 156 | 157 | 158 | 159 | 160 | 161 | 162 | 163 | 164 | 165 | 166 | 167 | 168 | 169 | 170 | 171 | 172 | 173 | 174 | 175 | 176 | 177 | 178 | 179 | 180 | 181 | 182 | 183 | 184 | 185 | 186 | 187 | 188 | 189 | 190 | 191 | 192 | 193 | 194 | 195 | 196 | 197 | 198 | 199 | 200 | 201 | 202 | 203 | 204 | 205 | 206 | 207 | 208 | 209 | 210 | 211 | 212 | 213 | 214 | 215 | 216 | 217 | 218 | 219 | 220 | 221 | 222 | 223 | 224 | 225 | 226 | 227 | 228 | 229 | 230 | 231 | 232 | 233 | 234 | 235 | 236 | 237 | 238 | 239 | 240 | 241 | 242 | 243 | 244 | 245 | 246 | 247 | 248 | 249 | 250 | 251 | 252 | 253 | 254 | 255 | 256 | 257 | 258 | 259 | 260 | 261 | 262 | 263 | 264 | 265 | 266 | 267 | 268 | 269 | 270 | 271 | 272 | 273 | 274 | 275 | 276 | 277 | 278 | 279 | 280 | 281 | 282 | 283 | 284 | 285 | 286 | 287 | 288 | 289 | 290 | 291 | 292 | 293 | 294 | 295 | 296 | 297 | 298 | 299 | 300 | 301 | 302 | 303 | 304 | 305 | 306 | 307 | 308 | 309 | 310 | 311 | 312 | 313 | 314 | 315 | 316 | 317 | 318 | 319 | 320 | 321 | 322 | 323 | 324 | 325 | 326 | 327 | 328 | 329 | 330 | 331 | 332 | 333 | 334 | 335 | 336 | 337 | 338 | 339 | 340 | 341 | 342 | 343 | 344 | 345 | 346 | 347 | 348 | 349 | 350 | 351 | 352 | 353 | 354 | 355 | 356 | 357 | 358 | 359 | 360 | 361 | 362 | 363 | 364 | 365 | 366 | 367 | 368 | 369 | 370 | 371 | 372 | 373 | 374 | 375 | 376 | 377 | 378 | 379 | 380 | 381 | 382 | 383 | 384 | 385 | 386 | 387 | 388 | 389 | 390 | 391 | 392 | 393 | 394 | 395 | 396 | 397 | 398 | 399 | 400 | 401 | 402 | 403 | 404 | 405 | 406 | 407 | 408 | 409 | 410 | 411 | 412 | 413 | 414 | 415 | 416 | 417 | 418 | 419 | 420 | 421 | 422 | 423 | 424 | 425 | 426 | 427 | 428 | 429 | 430 | 431 | 432 | 433 | 434 | 435 | 436 | 437 | 438 | 439 | 440 | 441 | 442 | 443 | 444 | 445 | 446 | 447 | 448 | 449 | 450 | 451 | 452 | 453 | 454 | 455 | 456 | 457 | 458 | 459 | 460 | 461 | 462 | 463 | 464 | 465 | 466 | 467 | 468 | 469 | 470 | 471 | 472 | 473 | 474 | 475 | 476 | 477 | 478 | 479 | 480 | 481 | 482 | 483 | 484 | 485 | 486 | 487 | 488 | 489 | 490 | 491 | 492 | 493 | 494 | 495 | 496 | 497 | 498 | 499 | 500 | 501 | 502 | 503 | 504 | 505 | 506 | 507 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 | 517 | 518 | 519 | 520 | 521 | 522 | 523 | 524 | 525 | 526 | 527 | 528 | 529 | 530 | 531 | 532 | 533 | 534 | 535 | 536 | 537 | 538 | 539 | 540 | 541 | 542 | 543 | 544 | 545 | 546 | 547 | 548 | 549 | 550 | 551 | 552 | 553 | 554 | 555 | 556 | 557 | 558 | 559 | 560 | 561 | 562 | 563 | 564 | 565 | 566 | 567 | 568 | 569 | 570 | 571 | 572 | 573 | 574 | 575 | 576 | 577 | 578 | 579 | 580 | 581 | 582 | 583 | 584 | 585 | 586 | 587 | 588 | 589 | 590 | 591 | 592 | 593 | 594 | 595 | 596 | 597 | 598 | 599 | 600 | 601 | 602 | 603 | 604 | 605 | 606 | 607 | 608 | 609 | 610 | 611 | 612 | 613 | 614 | 615 | 616 | 617 | 618 | 619 | 620 | 621 | 622 | 623 | 624 | 625 | 626 | 627 | 628 | 629 | 630 | 631 | 632 | 633 | 634 | 635 | 636 | 637 | 638 | 639 | 640 | 641 | 642 | 643 | 644 | 645 | 646 | 647 | 648 | 649 | 650 | 651 | 652 | 653 | 654 | 655 | 656 | 657 | 658 | 659 | 660 | 661 | 662 | 663 | 664 | 665 | 666 | 667 | 668 | 669 | 670 | 671 | 672 | 673 | 674 | 675 | 676 | 677 | 678 | 679 | 680 | 681 | 682 | 683 | 684 | 685 | 686 | 687 | 688 | 689 | 690 | 691 | 692 | 693 | 694 | 695 | 696 | 697 | 698 | 699 | 700 | 701 | 702 | 703 | 704 | 705 | 706 | 707 | 708 | 709 | 710 | 711 | 712 | 713 | 714 | 715 | 716 | 717 | 718 | 719 | 720 | 721 | 722 | 723 | 724 | 725 | 726 | 727 | 728 | 729 | 730 | 731 | 732 | 733 | 734 | 735 | 736 | 737 | 738 | 739 | 740 | 741 | 742 | 743 | 744 | 745 | 746 | 747 | 748 | 749 | 750 | 751 | 752 | 753 | 754 | 755 | 756 | 757 | 758 | 759 | 760 | 761 | 762 | 763 | 764 | 765 | 766 | 767 | 768 | 769 | 770 | 771 | 772 | 773 | 774 | 775 | 776 | 777 | 778 | 779 | 780 | 781 | 782 | 783 | 784 | 785 | 786 | 787 | 788 | 789 | 790 | 791 | 792 | 793 | 794 | 795 | 796 | 797 | 798 | 799 | 800 | 801 | 802 | 803 | 804 | 805 | 806 | 807 | 808 | 809 | 810 | 811 | 812 | 813 | 814 | 815 | 816 | 817 | 818 | 819 | 820 | 821 | 822 | 823 | 824 | 825 | 826 | 827 | 828 | 829 | 830 | 831 | 832 | 833 | 834 | 835 | 836 | 837 | 838 | 839 | 840 | 841 | 842 | 843 | 844 | 845 | 846 | 847 | 848 | 849 | 850 | 851 | 852 | 853 | 854 | 855 | 856 | 857 | 858 | 859 | 860 | 861 | 862 | 863 | 864 | 865 | 866 | 867 | 868 | 869 | 870 | 871 | 872 | 873 | 874 | 875 | 876 | 877 | 878 | 879 | 880 | 881 | 882 | 883 | 884 | 885 | 886 | 887 | 888 | 889 | 890 | 891 | 892 | 893 | 894 | 895 | 896 | 897 | 898 | 899 | 900 | 901 | 902 | 903 | 904 | 905 | 906 | 907 | 908 | 909 | 910 | 911 | 912 | 913 | 914 | 915 | 916 | 917 | 918 | 919 | 920 | 921 | 922 | 923 | 924 | 925 | 926 | 927 | 928 | 929 | 930 | 931 | 932 | 933 | 934 | 935 | 936 | 937 | 938 | 939 | 940 | 941 | 942 | 943 | 944 | 945 | 946 | 947 | 948 | 949 | 950 | 951 | 952 | 953 | 954 | 955 | 956 | 957 | 958 | 959 | 960 | 961 | 962 | 963 | 964 | 965 | 966 | 967 | 968 | 969 | 970 | 971 | 972 | 973 | 974 | 975 | 976 | 977 | 978 | 979 | 980 | 981 | 982 | 983 | 984 | 985 | 986 | 987 | 988 | 989 | 990 | 991 | 992 | 993 | 994 | 995 | 996 | 997 | 998 | 999 | 1000 | 1001 | 1002 | 1003 | 1004 | 1005 | 1006 | 1007 | 1008 | 1009 | 1010 | 1011 | 1012 | 1013 | 1014 | 1015 | 1016 | 1017 | 1018 | 1019 | 1020 | 1021 | 1022 | 1023 | 1024 | 1025 | 1026 | 1027 | 1028 | 1029 | 1030 | 1031 | 1032 | 1033 | 1034 | 1035 | 1036 | 1037 | 1038 | 1039 | 1040 | 1041 | 1042 | 1043 | 1044 | 1045 | 1046 | 1047 | 1048 | 1049 | 1050 | 1051 | 1052 | 1053 | 1054 | 1055 | 1056 | 1057 | 1058 | 1059 | 1060 | 1061 | 1062 | 1063 | 1064 | 1065 | 1066 | 1067 | 1068 | 1069 | 1070 | 1071 | 1072 | 1073 | 1074 | 1075 | 1076 | 1077 | 1078 | 1079 | 1080 | 1081 | 1082 | 1083 | 1084 | 1085 | 1086 | 1087 | 1088 | 1089 | 1090 | 1091 | 1092 | 1093 | 1094 | 1095 | 1096 | 1097 | 1098 | 1099 | 1100 | 1101 | 1102 | 1103 | 1104 | 1105 | 1106 | 1107 | 1108 | 1109 | 1110 | 1111 | 1112 | 1113 | 1114 | 1115 | 1116 | 1117 | 1118 | 1119 | 1120 | 1121 | 1122 | 1123 | 1124 | 1125 | 1126 | 1127 | 1128 | 1129 | 1130 | 1131 | 1132 | 1133 | 1134 | 1135 | 1136 | 1137 | 1138 | 1139 | 1140 | 1141 | 1142 | 1143 | 1144 | 1145 | 1146 | 1147 | 1148 | 1149 | 1150 | 1151 | 1152 | 1153 | 1154 | 1155 | 1156 | 1157 | 1158 | 1159 | 1160 | 1161 | 1162 | 1163 | 1164 | 1165 | 1166 | 1167 | 1168 | 1169 | 1170 | 1171 | 1172 | 1173 | 1174 | 1175 | 1176 | 1177 | 1178 | 1179 | 1180 | 1181 | 1182 | 1183 | 1184 | 1185 | 1186 | 1187 | 1188 | 1189 | 1190 | 1191 | 1192 | 1193 | 1194 | 1195 | 1196 | 1197 | 1198 | 1199 | 1200 | 1201 | 1202 | 1203 | 1204 | 1205 | 1206 | 1207 | 1208 | 1209 | 1210 | 1211 | 1212 | 1213 | 1214 | 1215 | 1216 | 1217 | 1218 | 1219 | 1220 | 1221 | 1222 | 1223 | 1224 | 1225 | 1226 | 1227 | 1228 | 1229 | 1230 | 1231 | 1232 | 1233 | 1234 | 1235 | 1236 | 1237 | 1238 | 1239 | 1240 | 1241 | 1242 | 1243 | 1244 | 1245 | 1246 | 1247 | 1248 | 1249 | 1250 | 1251 | 1252 | 1253 | 1254 | 1255 | 1256 | 1257 | 1258 | 1259 | 1260 | 1261 | 1262 | 1263 | 1264 | 1265 | 1266 | 1267 | 1268 | 1269 | 1270 | 1271 | 1272 | 1273 | 1274 | 1275 | 1276 | 1277 | 1278 | 1279 | 1280 | 1281 | 1282 | 1283 | 1284 | 1285 | 1286 | 1287 | 1288 | 1289 | 1290 | 1291 | 1292 | 1293 | 1294 | 1295 | 1296 | 1297 | 1298 | 1299 | 1300 | 1301 | 1302 | 1303 | 1304 | 1305 | 1306 | 1307 | 1308 | 1309 | 1310 | 1311 | 1312 | 1313 | 1314 | 1315 | 1316 | 1317 | 1318 | 1319 | 1320 | 1321 | 1322 | 1323 | 1324 | 1325 | 1326 | 1327 | 1328 | 1329 | 1330 | 1331 | 1332 | 1333 | 1334 | 1335 | 1336 | 1337 | 1338 | 1339 | 1340 | 1341 | 1342 | 1343 | 1344 | 1345 | 1346 | 1347 | 1348 | 1349 | 1350 | 1351 | 1352 | 1353 | 1354 | 1355 | 1356 | 1357 | 1358 | 1359 | 1360 | 1361 | 1362 | 1363 | 1364 | 1365 | 1366 | 1367 | 1368 | 1369 | 1370 | 1371 | 1372 | 1373 | 1374 | 1375 | 1376 | 1377 | 1378 | 1379 | 1380 | 1381 | 1382 | 1383 | 1384 | 1385 | 1386 | 1387 | 1388 | 1389 | 1390 | 1391 | 1392 | 1393 | 1394 | 1395 | 1396 | 1397 | 1398 | 1399 | 1400 | 1401 | 1402 | 1403 | 1404 | 1405 | 1406 | 1407 | 1408 | 1409 | 1410 | 1411 | 1412 | 1413 | 1414 | 1415 | 1416 | 1417 | 1418 | 1419 | 1420 | 1421 | 1422 | 1423 | 1424 | 1425 | 1426 | 1427 | 1428 | 1429 | 1430 | 1431 | 1432 | 1433 | 1434 | 1435 | 1436 | 1437 | 1438 | 1439 | 1440 | 1441 | 1442 | 1443 | 1444 | 1445 | 1446 | 1447 | 1448 | 1449 | 1450 | 1451 | 1452 | 1453 | 1454 | 1455 | 1456 | 1457 | 1458 | 1459 | 1460 | 1461 | 1462 | 1463 | 1464 | 1465 | 1466 | 1467 | 1468 | 1469 | 1470 | 1471 | 1472 | 1473 | 1474 | 1475 | 1476 | 1477 | 1478 | 1479 | 1480 | 1481 | 1482 | 1483 | 1484 | 1485 | 1486 | 1487 | 1488 | 1489 | 1490 | 1491 | 1492 | 1493 | 1494 | 1495 | 14 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-----|------|----|

[illegible]

421

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

[illegible]

卷二

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly from the 17th or 18th century. The page is divided into two main sections by a horizontal line. The top section contains several lines of text, and the bottom section contains a single line of text. The handwriting is dense and somewhat difficult to decipher.

139

[illegible]

ཅུ་ལོ་དཔལ་པོའི་ལོ་ལ།

[illegible][illegible]

འཕྲིན་པའི་ཡལ་གཤམ་སྐྱེས་པའི་ཕྱི་མེད་པའི་

[illegible]

འཕགས་པ་ཞིན་ཟེས་གྲུ་མ་བཅས་པ་ཤིང་།

མ། དེས་ལགོར་བའི་ལྷ་དང་ཕྱི་ལོ་ཡོད་པའི་ལོ་ནི་ལོ།

གསུམ་གསལ་ལོ་མོ་དཔྱད་ཀྱིས་ཆད་ཡུལ་དུ་བྱུང་བའི་ལོ་མོ་དཔྱད་ཆོག། ༥ དཔལ་ལོ་མོ་དཔྱད་

འཕྲུལ་གྱི་ཡལ་བ་ལ་ཤུལ་པའི་ལྟ་བུ་

[illegible][illegible]

དེ་ཅི་ལྟར་འཁྱུར་པ་ལྟར་འཁྱུར་བའི་ལུས་ཡང་། ལོག་པ་ལ་འཁྱུར་པའི་ལུས་

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is light-colored paper. The text is enclosed in a double-line border.

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच
 द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तदा ॥
 कुरुक्षेत्रे भद्रा! त्वष्टा विश्वम्भर
 मम हृदि निविशस्व त्वां शिरसा ॥
 ध्यायेन्मनुष्यो मे वदस्व सुखदाम्भवे
 नान्यथा हि विद्यां यच्छिवाग्निहोत्र ॥
 यज्ञस्तपोदानं च भक्त्या युज्यते येन
 प्राप्नुयान्नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...

21

52

51

427

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is light-colored paper. The text is enclosed within a double-line border.

五

997

[illegible]

[illegible]

五

۱۰

157

45

ॐ । अथ । कर्मसंज्ञायाः प्रवृत्तिर्विदुषी । अविद्याय विपरीतमुच्यते । देहप्रत्ययपरिवर्तनम् । देहात्मकत्वमिति ज्ञानेन
निमित्तं तेषाम् आकाशोद्भवता । देहस्याविद्युच्छ्रयस्त्विति । इत्यादिपरिवर्तने विद्यमानम् । अविद्यायाः परमात्म्यायाः व्यभिचारः । इत्यादिपरिवर्तनेन
देहिनात्वेन व्यवहारः । ननु देहप्रवृत्तिरित्युच्यते । ननु सत्यमेवात्र भिन्नं । अविद्यायाः परमात्म्यायाः व्यभिचारः । देहात्मकत्वमिति ज्ञानेन
निमित्तं तेषाम् आकाशोद्भवता । देहस्याविद्युच्छ्रयस्त्विति । इत्यादिपरिवर्तने विद्यमानम् । अविद्यायाः परमात्म्यायाः व्यभिचारः । देहात्मकत्वमिति ज्ञानेन
निमित्तं तेषाम् आकाशोद्भवता । देहस्याविद्युच्छ्रयस्त्विति । इत्यादिपरिवर्तने विद्यमानम् । अविद्यायाः परमात्म्यायाः व्यभिचारः । देहात्मकत्वमिति ज्ञानेन

Handwritten text in a rectangular box, likely a manuscript or ledger page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several lines. The page is aged and shows signs of wear, including faint horizontal lines and some discoloration.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ सर्वभूतहिते रते ॥ २ ॥
सर्वधर्मसंग्रहः ॥ ३ ॥ सर्वभूतहिते रते ॥ ४ ॥
सर्वभूतहिते रते ॥ ५ ॥ सर्वभूतहिते रते ॥ ६ ॥
सर्वभूतहिते रते ॥ ७ ॥ सर्वभूतहिते रते ॥ ८ ॥
सर्वभूतहिते रते ॥ ९ ॥ सर्वभूतहिते रते ॥ १० ॥
सर्वभूतहिते रते ॥ ११ ॥ सर्वभूतहिते रते ॥ १२ ॥
सर्वभूतहिते रते ॥ १३ ॥ सर्वभूतहिते रते ॥ १४ ॥
सर्वभूतहिते रते ॥ १५ ॥ सर्वभूतहिते रते ॥ १६ ॥
सर्वभूतहिते रते ॥ १७ ॥ सर्वभूतहिते रते ॥ १८ ॥
सर्वभूतहिते रते ॥ १९ ॥ सर्वभूतहिते रते ॥ २० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥

| ॐ नमो भगवते वासुदेवाय | | | | |
|-----------------------|---|---|---|---|
| ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ |
| ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ |
| ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ |
| ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ |
| ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ |
| ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ |

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several lines. The script is dense and fills most of the rectangular area.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

217
54

229

卷之四

 $\lambda = 0.1$

७

173

2

9.22

45

16
17

5

2.857

[illegible]

[illegible]

[illegible]

三

၆၅၁

25

92

五

10

3

1

44

卷之四

17

51

21.

6

[illegible]

[illegible]

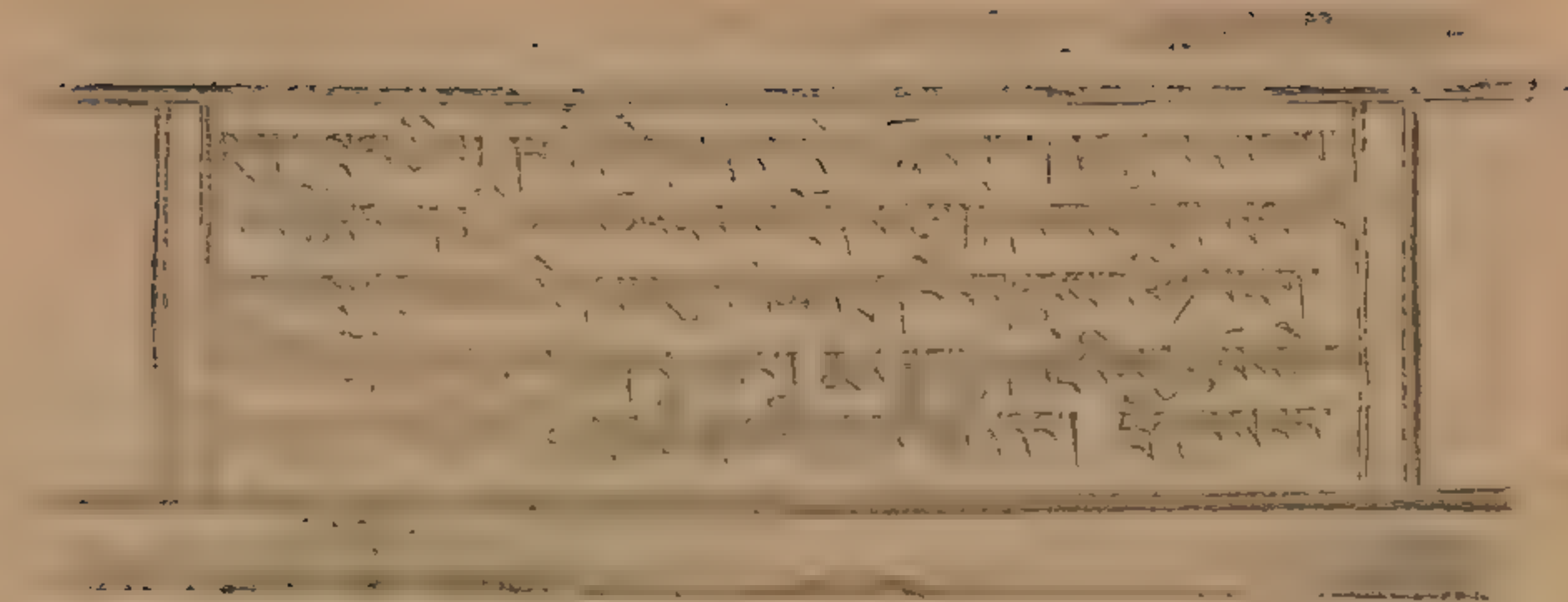
८२

ॐ

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥

पञ्चमस्कन्धः ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥



54

一

[illegible]

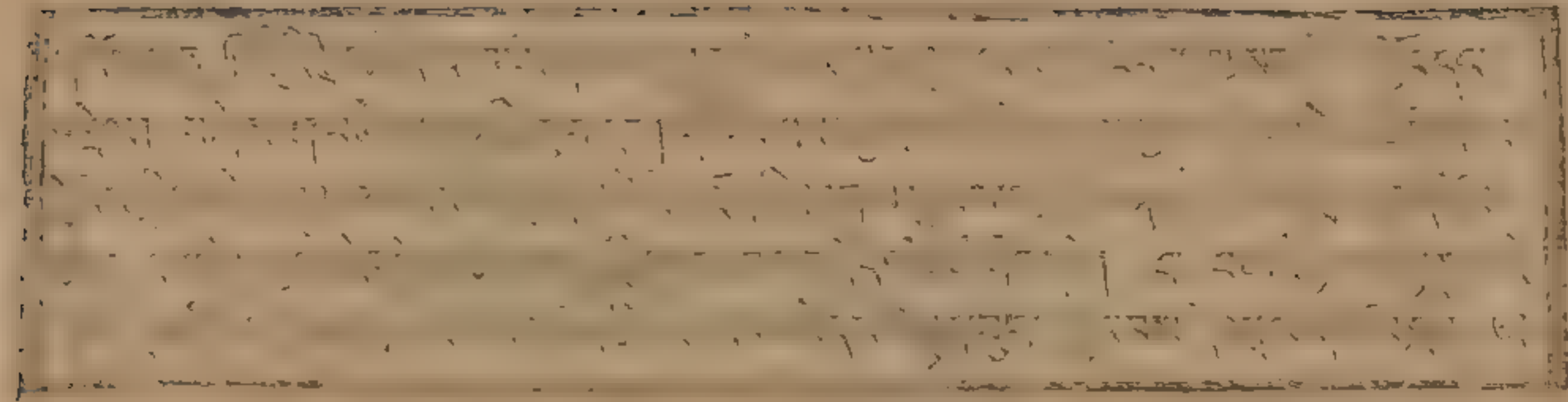
Handwritten text in a rectangular box, likely a list or ledger. The text is written in a cursive script and is organized into columns. The box is bordered by a double line. The text is too faint to transcribe accurately.

1827

C- 097
[Text in Tibetan script]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger page. The text is written in a cursive script, possibly Urdu or Persian, and is organized into several lines. The frame is bordered by a double line, and the text is densely packed within the space.

[illegible]



Handwritten text, possibly a signature or date, located at the bottom left of the page.

[illegible]

[illegible]

84

529

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger page. The text is written in a cursive script, possibly Arabic or Persian, and is organized into several columns and rows. The ink is dark, and the paper is aged and slightly discolored.

[illegible]

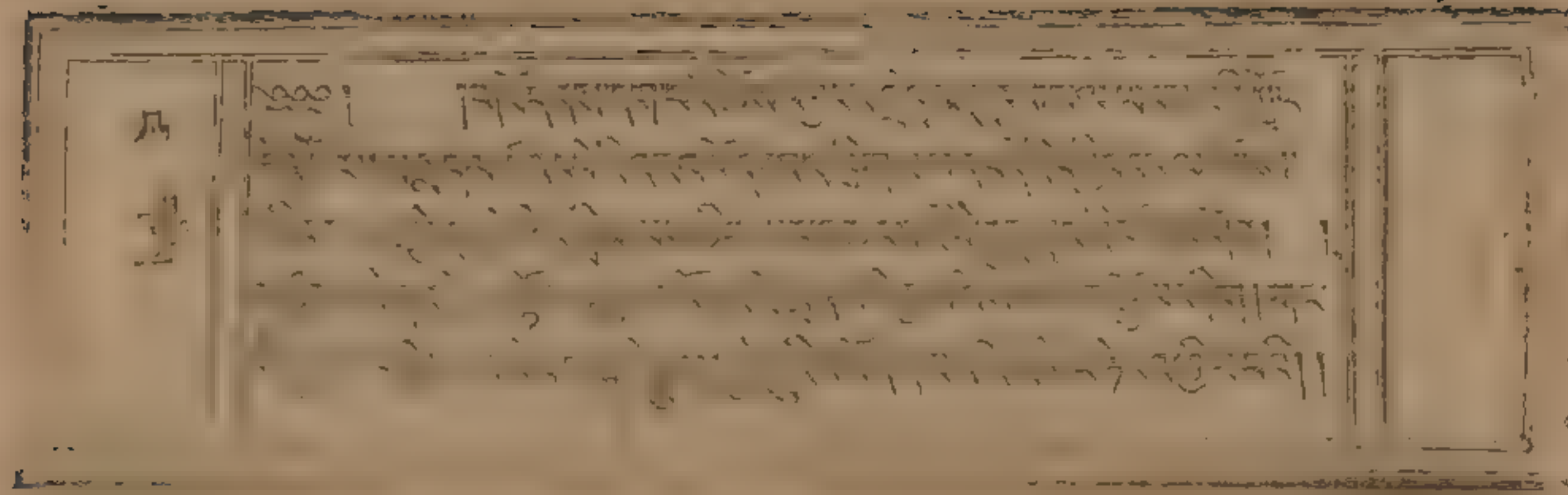
1000

• 200

1870

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

। वासुदेवाय नमः ॥



Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately six horizontal lines across the central portion of the page.

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Arabic or Persian, and is organized into several lines. The frame is bordered by a double line, and there are small decorative elements at the corners.

[illegible]



12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

འཕྲིན་པོ་རྒྱལ་བུ་སྐུ་མཆོག་གི་ཡུལ་དེ་ལྟར་ཤིང་།
 དེ་ལྟར་ཤིང་། རྒྱལ་བུ་སྐུ་མཆོག་གི་ཡུལ་དེ་ལྟར་ཤིང་།
 རྒྱལ་བུ་སྐུ་མཆོག་གི་ཡུལ་དེ་ལྟར་ཤིང་། རྒྱལ་བུ་སྐུ་མཆོག་གི་ཡུལ་དེ་ལྟར་ཤིང་།
 རྒྱལ་བུ་སྐུ་མཆོག་གི་ཡུལ་དེ་ལྟར་ཤིང་། རྒྱལ་བུ་སྐུ་མཆོག་གི་ཡུལ་དེ་ལྟར་ཤིང་།
 རྒྱལ་བུ་སྐུ་མཆོག་གི་ཡུལ་དེ་ལྟར་ཤིང་། རྒྱལ་བུ་སྐུ་མཆོག་གི་ཡུལ་དེ་ལྟར་ཤིང་།

121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612
 613
 614
 615
 616
 617
 618
 619
 620
 621
 622
 623
 624
 625
 626
 627
 628
 629
 630
 631
 632

Handwritten text in a rectangular box, likely a manuscript or ledger page. The text is written in a cursive script, possibly Arabic or Persian, and is organized into several lines. The box is bordered by a double line, and there is a vertical margin line on the right side. The text is dense and fills most of the box.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text at the top of the page, possibly a title or header.

Main body of handwritten text, organized into several horizontal lines within a rectangular frame.

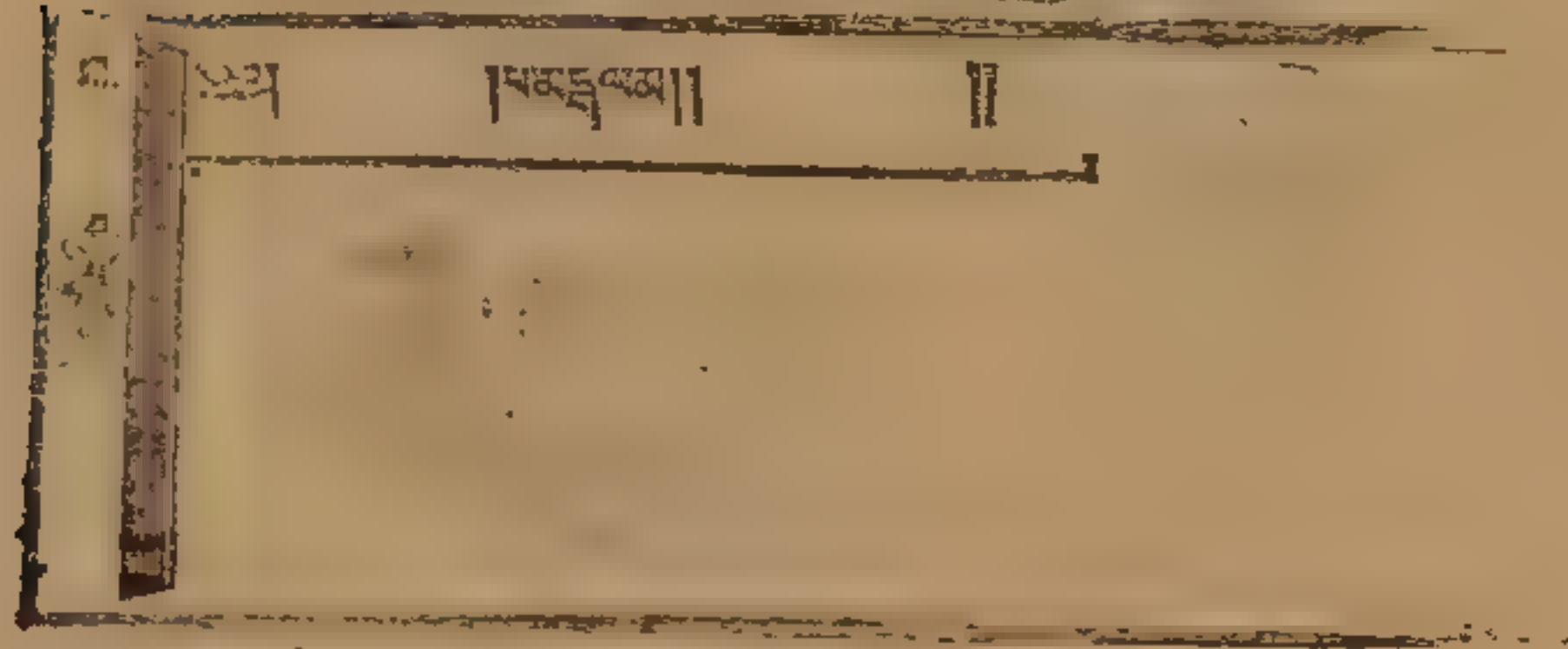
五

129

4

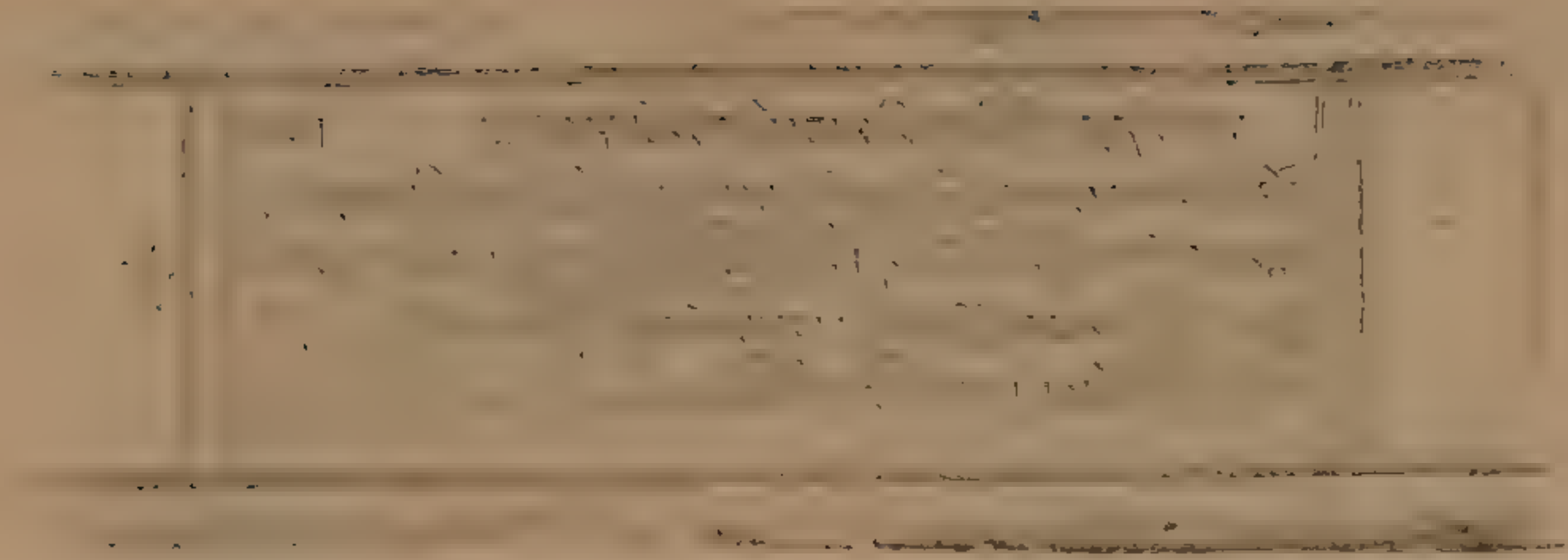
[illegible]

[illegible]

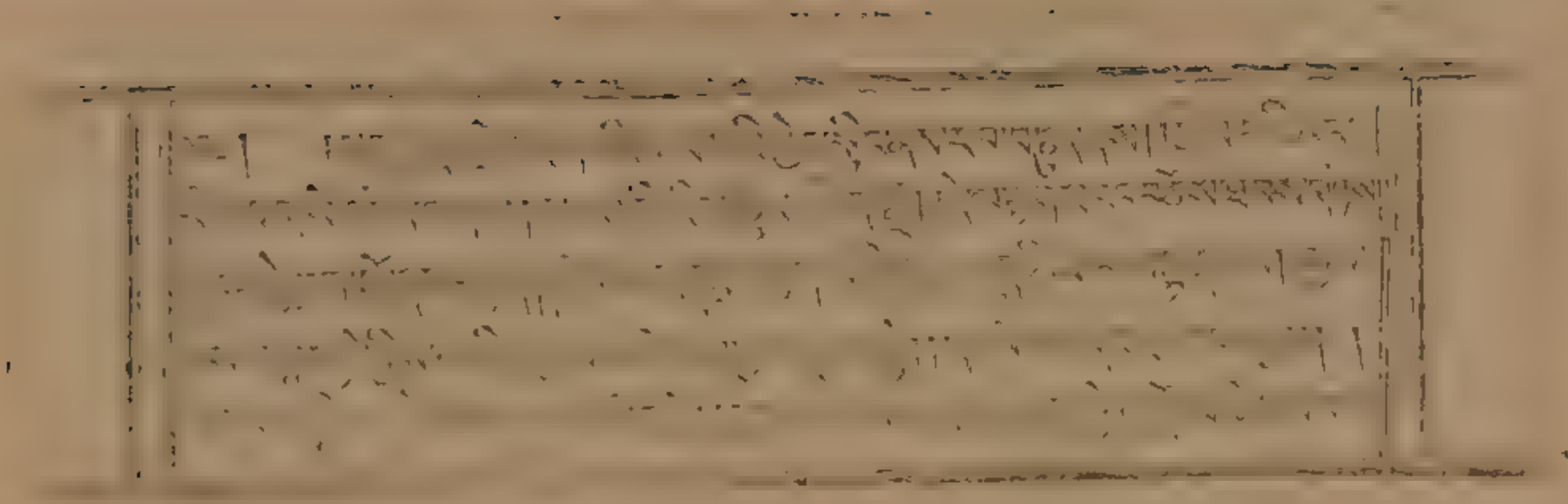


THE UNIVERSITY OF CHICAGO

ལམ་འཛིན་པའི་ལུང་ལྟར་།



[illegible]



༡༡། །ཁམས་པོར་བཞིན་ཐུང་། །ལོ་ལ་བྱེ་རྩེ་དཔེ་ཉི་ལ་རེ་བྱེ་བ། །སྤྱི་རྩེ་དཔེ་ལོ་ལ་
བུ་ལ་དཔེ་དཔེ་ལ་ལོ་ལ་བྱེ་དཔེ་དཔེ་ལ་ལོ་ལ་བྱེ་བ། །ཅུ་བུ་ལ་ལོ་ལ་བྱེ་བ། །
ལོ་ལ་བྱེ་བ་ལོ་ལ་བྱེ་བ། །ལོ་ལ་བྱེ་བ་ལོ་ལ་བྱེ་བ། །ལོ་ལ་བྱེ་བ་ལོ་ལ་བྱེ་བ། །
ལོ་ལ་བྱེ་བ་ལོ་ལ་བྱེ་བ། །ལོ་ལ་བྱེ་བ་ལོ་ལ་བྱེ་བ། །ལོ་ལ་བྱེ་བ་ལོ་ལ་བྱེ་བ། །
ལོ་ལ་བྱེ་བ་ལོ་ལ་བྱེ་བ། །ལོ་ལ་བྱེ་བ་ལོ་ལ་བྱེ་བ། །ལོ་ལ་བྱེ་བ་ལོ་ལ་བྱེ་བ། །
ལོ་ལ་བྱེ་བ་ལོ་ལ་བྱེ་བ། །ལོ་ལ་བྱེ་བ་ལོ་ལ་བྱེ་བ། །ལོ་ལ་བྱེ་བ་ལོ་ལ་བྱེ་བ། །
ལོ་ལ་བྱེ་བ་ལོ་ལ་བྱེ་བ། །ལོ་ལ་བྱེ་བ་ལོ་ལ་བྱེ་བ། །ལོ་ལ་བྱེ་བ་ལོ་ལ་བྱེ་བ། །

Handwritten text in a rectangular box, likely a list or table of contents, written in a cursive script. The text is organized into columns and rows, possibly representing a catalog or inventory. The handwriting is dense and fills the majority of the page area.

Handwritten text in a narrow vertical column on the right side of the page, possibly a marginal note or a separate entry.

[illegible]

$\frac{1}{n} \sum_{i=1}^n x_i = \bar{x}$

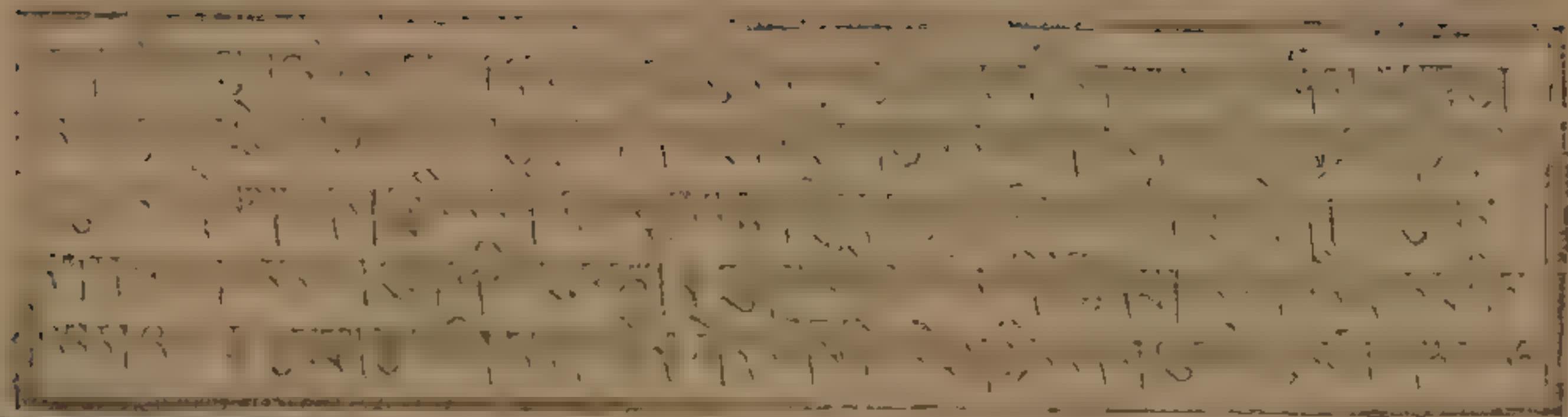
[The page contains faint, illegible handwritten text.]

444 1899 473-74 4,250 12,000,000

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or a page from a book. The text is written in a cursive script, possibly Arabic or Persian, and is arranged in several lines. The frame is decorated with a simple border. The text is written in a cursive script, possibly Arabic or Persian, and is arranged in several lines. The frame is decorated with a simple border.

[illegible]



[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a ledger or account book. The text is written in a cursive script and is organized into columns, suggesting a structured record of transactions or data. The frame is bordered by a double line, and the text is densely packed within the space.

181
182

183
184

ॐ । यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥
यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥
यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥
यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥
यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥ यथा ह्यस्य ॥

185
186

187
188

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Arabic or Persian, and is arranged in several lines. The page is aged and shows signs of wear, including discoloration and small dark spots.

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several lines. The frame is bordered by a double line. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several lines. The frame is bordered by a double line.

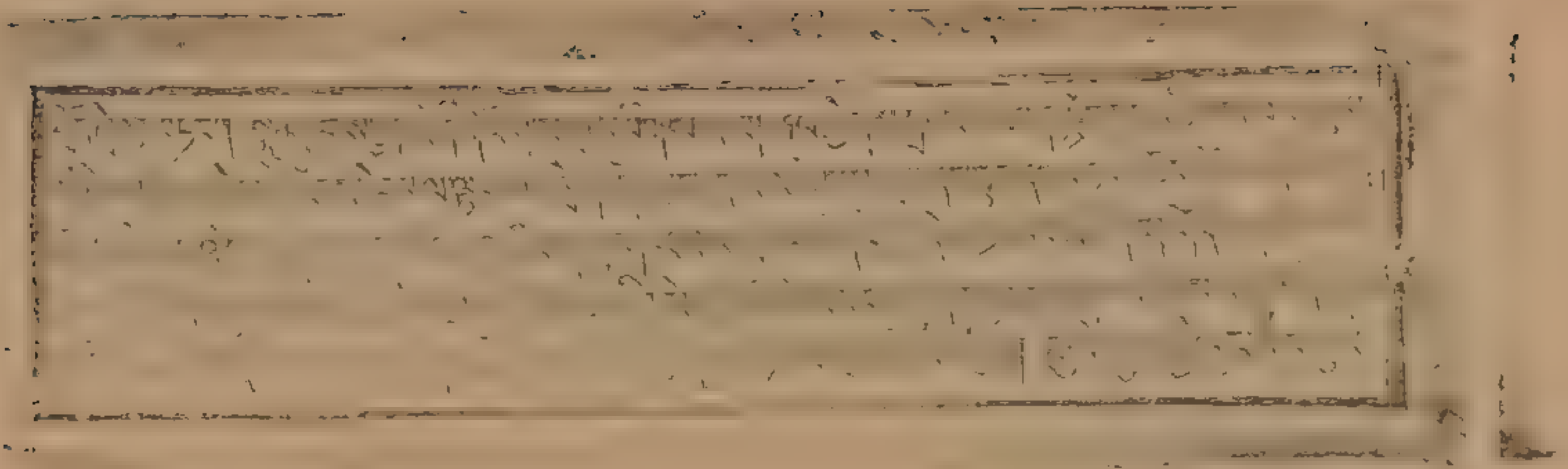
[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger. The text is organized into columns and rows, possibly representing a table or a list of items. The script is cursive and appears to be from a historical document.

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger page. The text is written in a cursive script, possibly Arabic or Persian, and is organized into several lines. The frame is bordered by a double line, and the text is written in dark ink on a light background.

[illegible]



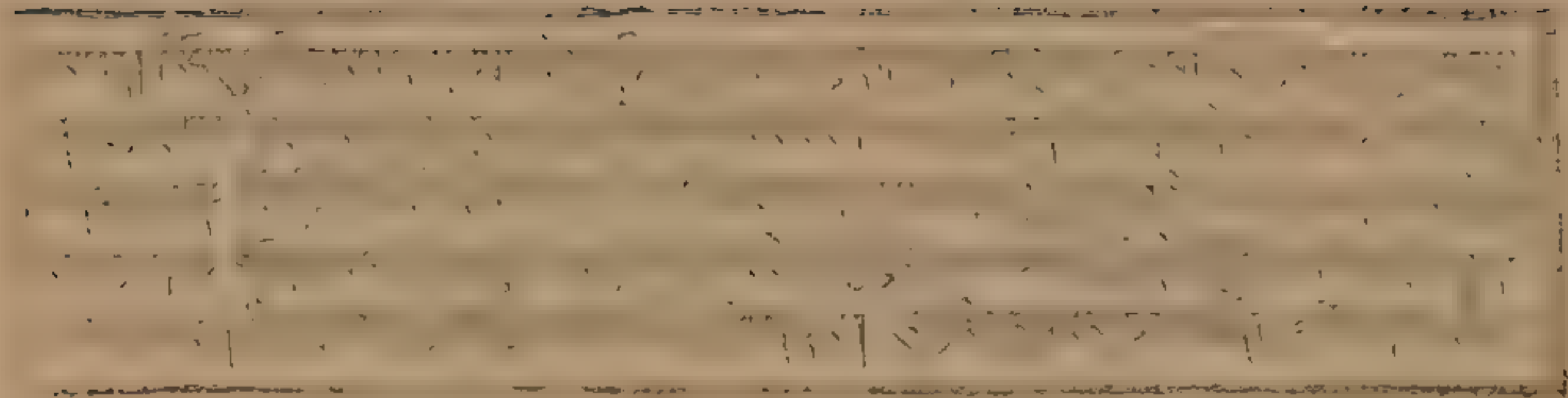
[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयान् ॥
 त्वं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 भवतु मे गुरुो ज्योतिषास्तव ॥ २ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥
 समवेता युयुत्सवः ॥ ३ ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 भवतु मे गुरुो ज्योतिषास्तव ॥ ४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयान् ॥
 त्वं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ ५ ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 भवतु मे गुरुो ज्योतिषास्तव ॥ ६ ॥

ཨ། །ན། གུར་བྱེད་པའི་དཀའ་སྒྲུབ་པ་དེར་སངས་ཀྱིས་ཡོད་སྐབས་ཆེ་ཆུང་གསལ་ལོར་བྱེད་པའི་འདུག་ཅེས་
འདས་པ་ལོན་ཀྱིས་ལྷུ་ལ་མེན་པ་ཆེས་གསུངས། བུའི་ལོ་ལྷུ་ཅུ་ལོ་གུར་ནི། བུའི་ལྷུ་ལོ་ན་པ་དེར་བུ་ཅུ་ཅི་དེས།
ལངས་པའི་པོ་ལྷོ་གཅིད་ནི། བུས་ཅུར་ལྷན་འདུལ་གསུམ་པ་བཏུབ། ལྷོ་ནི་ལྷུ་ལྷུ་དུས་ལྷུ་ནི། ཅུ་ལོ་ལྷུ་པའི་བུ་དང་བུ།
ལྷོ་བུ་ལ་གསལ་ལ་བཟེའོམ་མེད། རྩྱུར་བུ་ལ་པའི་ལྷུ་ལ་ཅུ་གསེད་དེར་ལམ་མེད་གཉིས་ཀྱི་དང་པོ་ལྷུ་གསེད་པའི་ལྷུ་
ལྷོ་དེ་དང་། ལྷུ་པའི་གཉིས་ལས་ལྷོ་དེ་ནི་ཅུ་ལོ་དེར་ལོ་ལྷུ་ལ་ལྷུ་ལ་དུས་གསལ་ཅིང་ཅུ་ལོ་གསལ་ཅིང་ལོ་ལྷུ་ལ་དུས་

1815
1816
1817
1818
1819
1820
1821
1822
1823
1824
1825
1826
1827
1828
1829
1830
1831
1832
1833
1834
1835
1836
1837
1838
1839
1840
1841
1842
1843
1844
1845
1846
1847
1848
1849
1850
1851
1852
1853
1854
1855
1856
1857
1858
1859
1860
1861
1862
1863
1864
1865
1866
1867
1868
1869
1870
1871
1872
1873
1874
1875
1876
1877
1878
1879
1880
1881
1882
1883
1884
1885
1886
1887
1888
1889
1890
1891
1892
1893
1894
1895
1896
1897
1898
1899
1900

[illegible]



[illegible]

125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 1044 1045 1046 1047 1048 1049 1050 1051 1052 1053 1054 1055 1056 1057 1058 1059 1060 1061 1062 1063 1064 1065 1066 1067 1068 1069 1070 1071 1072 1073 1074 1075 1076 1077 1078 1079 1080 1081 1082 1083 1084 1085 1086 1087 1088 1089 1090 1091 1092 1093 1094 1095 1096 1097 1098 1099 1100 1101 1102 1103 1104 1105 1106 1107 1108 1109 1110 1111 1112 1113 1114 1115 1116 1117 1

[illegible]

برہم

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger page. The text is written in a cursive script, possibly Urdu or Persian, and is organized into several lines. The frame is bordered by a double line, and the text is written in dark ink on aged, slightly discolored paper.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ सर्वदुःखहर्त्रे नमः ॥
सर्वपापहर्त्रे नमः ॥ सर्वकल्याणकराय नमः ॥
सर्वसुखदायक्यै नमः ॥ सर्वसौभाग्यदायक्यै नमः ॥
सर्वसम्पत्तिदायक्यै नमः ॥ सर्वसुखदायक्यै नमः ॥
सर्वसौभाग्यदायक्यै नमः ॥ सर्वसम्पत्तिदायक्यै नमः ॥

[illegible]

Handwritten text in a rectangular box, likely a manuscript or ledger. The text is written in a cursive script, possibly Arabic or Persian, and is organized into several lines. The box is bordered by a double line. The text is written in dark ink on a light background.

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Arabic or Persian, and is organized into several lines. The frame is bordered by a double line, and there are some markings outside the frame, particularly on the left side.

[illegible]

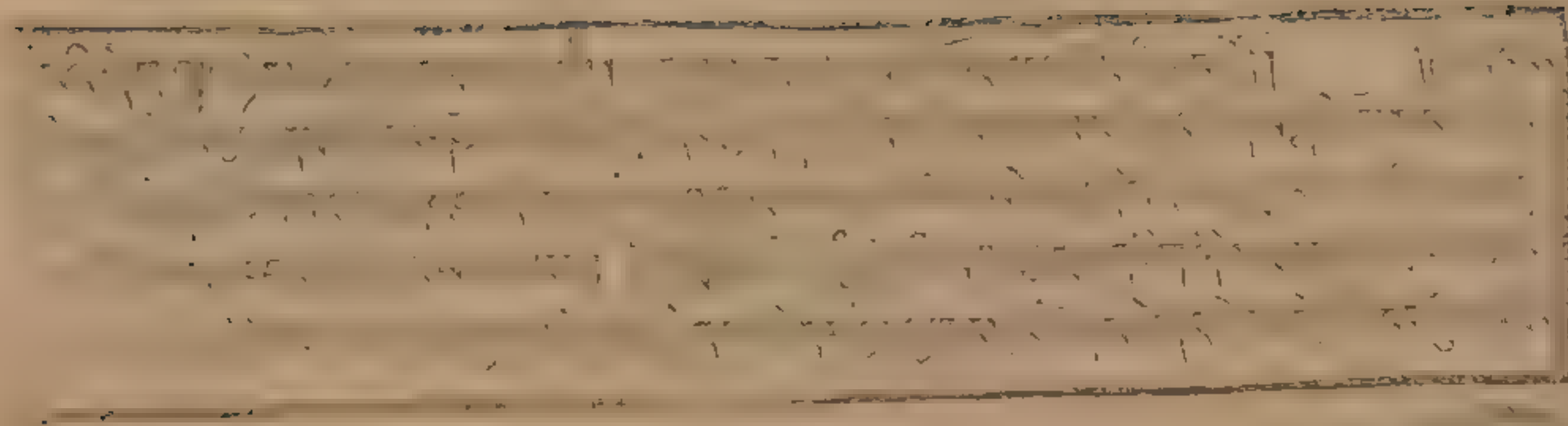
Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or a page from a book. The text is written in a cursive script, possibly Persian or Urdu, and is arranged in several lines. The frame is simple and rectangular, with a thin border. The text is dense and fills most of the frame.

Handwritten text in a vertical column on the right side of the page, possibly a marginal note or a page number.

Handwritten text in a vertical column on the left side of the page, possibly a marginal note or a page number.

Handwritten text in a small box at the bottom left corner, possibly a signature or a date.

[illegible]



291

१७५३

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or a page from a book. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is arranged in several lines. The frame is simple and rectangular, with a thin border. The background of the page is a light, aged paper color.

༥༠

།དམར་ལེའི་སྒྲིབ་ཕྱག་ལྷ་པོ་ལོ་ས་ལ་དཔུང་ཕྱེས་པ་འི་སྒྲིབ་ཆེན་པོ་།།

༥༡

ཏེར་ལེའི་སྒྲིབ་པོ།

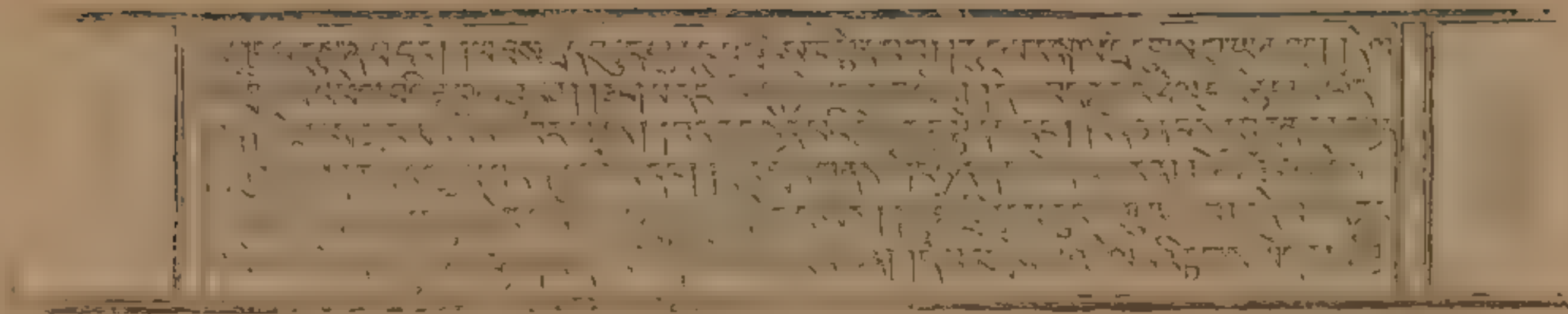


ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

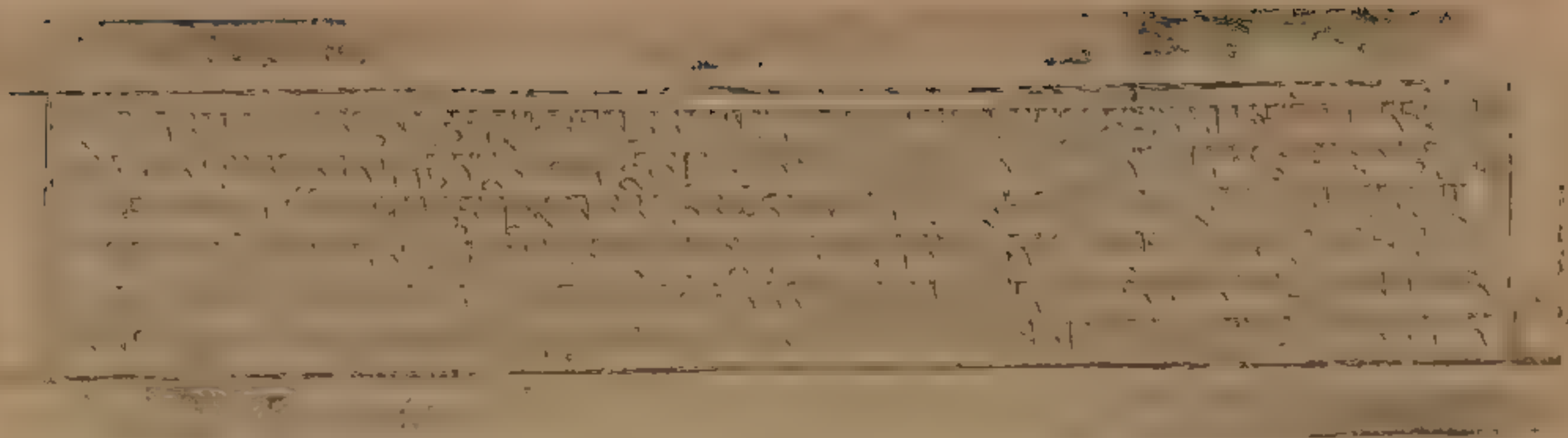
[illegible]



Handwritten text at the top of the page, likely a title or header, written in a cursive script.

201
[The main body of the text consists of several lines of handwritten script, likely a list or a continuous narrative. The text is written in a cursive style and is contained within a rectangular border.]

[Marginal notes or additional text written in the right margin, continuing the script from the main body.]



[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a ledger or account book. The text is written in a cursive script, possibly from the 18th or 19th century. The entries are organized into columns, with some headings visible at the top. The text is somewhat faded and difficult to read in many places.

Handwritten signature or name, possibly "J. Smith", located at the bottom right of the page.

29

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000.

[illegible]

[illegible]

| Date | Description | Particulars | Total |
|------|-------------|-------------|--------|
| 1870 | Jan 1 | Balance | 100.00 |
| 1871 | Feb 1 | Interest | 5.00 |
| 1872 | Mar 1 | Dividend | 15.00 |
| 1873 | Apr 1 | Interest | 10.00 |
| 1874 | May 1 | Dividend | 20.00 |
| 1875 | Jun 1 | Interest | 12.00 |
| 1876 | Jul 1 | Dividend | 18.00 |
| 1877 | Aug 1 | Interest | 14.00 |
| 1878 | Sep 1 | Dividend | 22.00 |
| 1879 | Oct 1 | Interest | 16.00 |
| 1880 | Nov 1 | Dividend | 24.00 |
| 1881 | Dec 1 | Interest | 18.00 |
| 1882 | Jan 1 | Dividend | 26.00 |
| 1883 | Feb 1 | Interest | 20.00 |
| 1884 | Mar 1 | Dividend | 28.00 |

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a ledger or account book. The text is written in a cursive script, possibly from the 18th or 19th century. The entries are organized into columns, with some headings visible at the top. The text is dense and fills most of the page.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टादशोऽध्यायः ॥

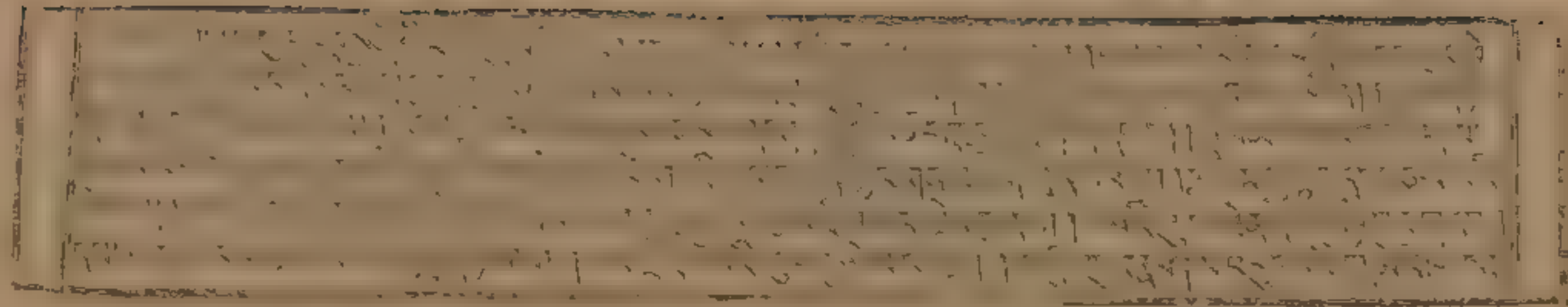
Handwritten text in a cursive script, likely a ledger or account book. The text is organized into columns and rows, with some entries appearing to be dates or numerical values. The handwriting is dense and fills most of the page.

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, with some lines being more densely written than others. The script is cursive and appears to be from a historical period. The page is framed by a simple border.

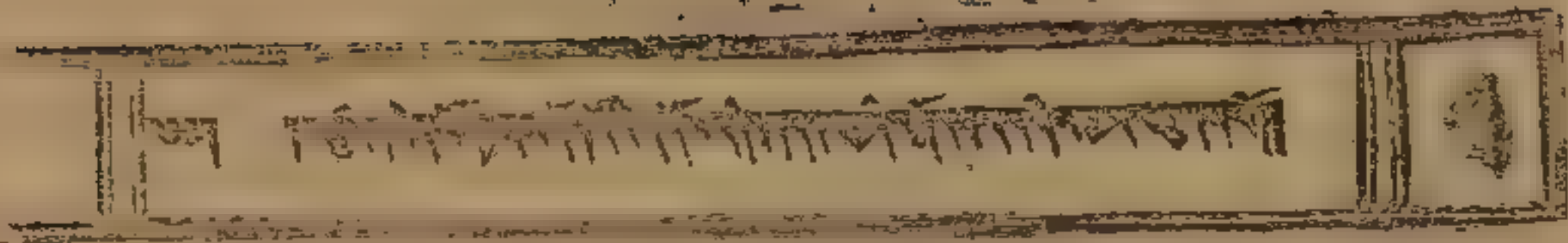
[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥



[illegible]

Handwritten text in a rectangular box, likely a list or table of contents, written in a cursive script. The text is organized into two columns, with the left column containing shorter entries and the right column containing longer entries. The entries appear to be numbered or indexed, possibly representing a list of items or a table of contents for a document. The handwriting is dense and cursive, typical of 18th or 19th-century manuscript notation.



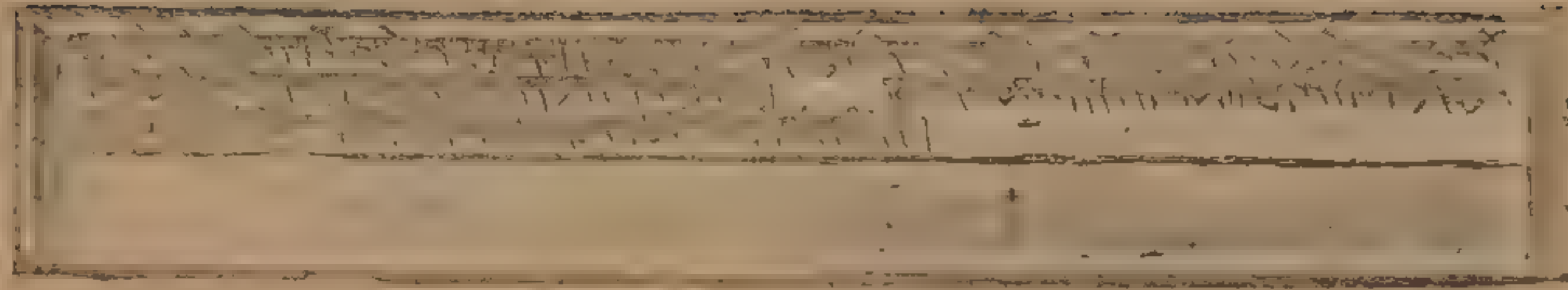
[illegible]

[illegible]

一、
二、
三、
四、
五、
六、
七、
八、
九、
十、

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several columns. The handwriting is dense and fills most of the rectangular area.

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥

३ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

二

10

[illegible]

[illegible]

21291

卷之五

[illegible]

[Faint handwritten text in Tibetan script]

24

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several lines. The left margin contains a vertical column of text, and the right margin contains a vertical column of text. The central area is filled with the main body of text.

12 151

[illegible]

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1911

ਅਗਸਤ ੧੯੧੯ ਈਸਵੀ ਵਿਚ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਜੀਵਨ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੇ ਸਰਕਾਰੀ ਕੰਮਾਂ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ।

子

三

2

三

Gravel

187

卷之四

12

2

三

卷一

27

一

七

Leitchfield

五

卷三

卷之六

1875

59

ॐ

अथ श्रीगुरुदेवप्रणामकव्यम्

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
उपनिषत्प्रमाणं ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ २ ॥
उपनिषत्प्रमाणं ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ३ ॥
उपनिषत्प्रमाणं ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ४ ॥
उपनिषत्प्रमाणं ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ५ ॥
उपनिषत्प्रमाणं ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ६ ॥
उपनिषत्प्रमाणं ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ७ ॥
उपनिषत्प्रमाणं ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ८ ॥
उपनिषत्प्रमाणं ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ९ ॥
उपनिषत्प्रमाणं ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ १ ॥
 अथ कृष्ण उवाच ॥ १ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ १ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ १ ॥
 समवेता युयुत्सवाः ॥ १ ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ १ ॥
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ १ ॥
 भवति युद्धमनामयम् ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side)

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ २ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ३ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ४ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ५ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ६ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ७ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ८ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ९ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

九

卷

11

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

是金

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

84

3

2291

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

54

五

[illegible]

450 75 50 25

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

...

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger page. The text is written in a cursive script, possibly Arabic or Persian, and is organized into several lines. The script is dense and fills the majority of the rectangular area.

Vertical text on the right margin, possibly a page number or a reference mark.

[illegible]

Main body of handwritten text, organized into several columns. The script is a historical form of Arabic or Persian, possibly using a specific dialect or religious terminology. The text is enclosed within a rectangular border.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Arabic or Persian, and is organized into several lines. The ink is dark, and the paper shows signs of aging and wear.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten notes or bleed-through from the reverse side]

1211
1212
1213
1214
1215
1216
1217
1218
1219
1220
1221
1222
1223
1224
1225
1226
1227
1228
1229
1230
1231
1232
1233
1234
1235
1236
1237
1238
1239
1240
1241
1242
1243
1244
1245
1246
1247
1248
1249
1250
1251
1252
1253
1254
1255
1256
1257
1258
1259
1260
1261
1262
1263
1264
1265
1266
1267
1268
1269
1270
1271
1272
1273
1274
1275
1276
1277
1278
1279
1280
1281
1282
1283
1284
1285
1286
1287
1288
1289
1290
1291
1292
1293
1294
1295
1296
1297
1298
1299
1300
1301
1302
1303
1304
1305
1306
1307
1308
1309
1310
1311
1312
1313
1314
1315
1316
1317
1318
1319
1320
1321
1322
1323
1324
1325
1326
1327
1328
1329
1330
1331
1332
1333
1334
1335
1336
1337
1338
1339
1340
1341
1342
1343
1344
1345
1346
1347
1348
1349
1350
1351
1352
1353
1354
1355
1356
1357
1358
1359
1360
1361
1362
1363
1364
1365
1366
1367
1368
1369
1370
1371
1372
1373
1374
1375
1376
1377
1378
1379
1380
1381
1382
1383
1384
1385
1386
1387
1388
1389
1390
1391
1392
1393
1394
1395
1396
1397
1398
1399
1400
1401
1402
1403
1404
1405
1406
1407
1408
1409
1410
1411
1412
1413
1414
1415
1416
1417
1418
1419
1420
1421
1422
1423
1424
1425
1426
1427
1428
1429
1430
1431
1432
1433
1434
1435
1436
1437
1438
1439
1440
1441
1442
1443
1444
1445
1446
1447
1448
1449
1450
1451
1452
1453
1454
1455
1456
1457
1458
1459
1460
1461
1462
1463
1464
1465
1466
1467
1468
1469
1470
1471
1472
1473
1474
1475
1476
1477
1478
1479
1480
1481
1482
1483
1484
1485
1486
1487
1488
1489
1490
1491
1492
1493
1494
1495
1496
1497
1498
1499
1500
1501
1502
1503
1504
1505
1506
1507
1508
1509
1510
1511
1512
1513
1514
1515
1516
1517
1518
1519
1520
1521
1522
1523
1524
1525
1526
1527
1528
1529
1530
1531
1532
1533
1534
1535
1536
1537
1538
1539
1540
1541
1542
1543
1544
1545
1546
1547
1548
1549
1550
1551
1552
1553
1554
1555
1556
1557
1558
1559
1560
1561
1562
1563
1564
1565
1566
1567
1568
1569
1570
1571
1572
1573
1574
1575
1576
1577
1578
1579
1580
1581
1582
1583
1584
1585
1586
1587
1588
1589
1590
1591
1592
1593
1594
1595
1596
1597
1598
1599
1600
1601
1602
1603
1604
1605
1606
1607
1608
1609
1610
1611
1612
1613
1614
1615
1616
1617
1618
1619
1620
1621
1622
1623
1624
1625
1626
1627
1628
1629
1630
1631
1632
1633
1634
1635
1636
1637
1638
1639
1640
1641
1642
1643
1644
1645
1646
1647
1648
1649
1650
1651
1652
1653
1654
1655
1656
1657
1658
1659
1660
1661
1662
1663
1664
1665
1666
1667
1668
1669
1670
1671
1672
1673
1674
1675
1676
1677
1678
1679
1680
1681
1682
1683
1684
1685
1686
1687
1688
1689
1690
1691
1692
1693
1694
1695
1696
1697
1698
1699
1700
1701
1702
1703
1704
1705
1706
1707
1708
1709
1710
1711
1712
1713
1714
1715
1716
1717
1718
1719
1720
1721
1722
1723
1724
1725
1726
1727
1728
1729
1730
1731
1732
1733
1734
1735
1736
1737
1738
1739
1740
1741
1742
1743
1744
1745
1746
1747
1748
1749
1750
1751
1752
1753
1754
1755
1756
1757
1758
1759
1760
1761
1762
1763
1764
1765
1766
1767
1768
1769
1770
1771
1772
1773
1774
1775
1776
1777
1778
1779
1780
1781
1782
1783
1784
1785
1786
1787
1788
1789
1790
1791
1792
1793
1794
1795
1796
1797
1798
1799
1800
1801
1802
1803
1804
1805
1806
1807
1808
1809
1810
1811
1812
1813
1814
1815
1816
1817
1818
1819
1820
1821
1822
1823
1824
1825
1826
1827
1828
1829
1830
1831
1832
1833
1834
1835
1836
1837
1838
1839
1840
1841
1842
1843
1844
1845
1846
1847
1848
1849
1850
1851
1852
1853
1854
1855
1856
1857
1858
1859
1860
1861
1862
1863
1864
1865
1866
1867
1868
1869
1870
1871
1872
1873
1874
1875
1876
1877
1878
1879
1880
1881
1882
1883
1884
1885
1886
1887
1888
1889
1890
1891
1892
18

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Journal of Management Education 30(6)

10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532

凡

[illegible]

[illegible]

Л

附錄

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Arabic or Persian, and is organized into several lines. The ink is dark, and the paper appears aged and slightly discolored. The text is enclosed within a double-line border.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Urdu or Persian, and is arranged in several lines. The left side of the frame is mostly blank, suggesting a margin or a section header. The right side contains the main body of text, which appears to be a list or a series of entries, possibly names or titles, written in a consistent cursive style. The overall appearance is that of an old, possibly leather-bound, manuscript.

[illegible]

[illegible]

100

100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is light-colored paper.

[illegible]

[illegible]



[illegible]

५१ २३१

[illegible]

121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 9



[illegible]

[Faint bleed-through from the reverse side of the page]

[illegible]

पुनः । एवमुक्तं तत्र तत्र । प्रवेष्टुं । वासं दधुर्कं दधुर्कं दधुर्कं । अथ च । अथ च ।
वेदं च । वेदं च । वेदं च । वेदं च । वेदं च । वेदं च । वेदं च । वेदं च । वेदं च । वेदं च ।
अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ ।
अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ ।
अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ ।
अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ । अथ ।

Handwritten text on the right margin, likely a commentary or additional notes.

Handwritten text in a cursive script, likely Persian or Urdu, arranged in approximately 10 horizontal lines. The text is enclosed within a rectangular border.

Handwritten text, possibly a title or a section header, located on the left side of the page.

Handwritten text, possibly a date or a reference, located at the bottom of the page.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column, filling most of the page. The script is dense and appears to be from a European language, possibly Italian or Spanish, given the style of the letters and the use of some characters like 'ñ' or 'll'. The document is aged, with visible wear and discoloration.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।
 कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः ।
 कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः ।
 कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः ।
 कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः ।

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several lines. The ink is dark on a light background.

Handwritten text in a rectangular frame, organized into five horizontal lines. The script is a cursive, historical form of Chinese characters, likely from a 17th-century manuscript. The text is densely packed and flows from left to right across each line.

Vertical text on the right margin, consisting of a few characters.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥ अर्जुनसंवा
 दः ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादां ॥ १ ॥

卷之四

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

५६७४

[illegible]

གསལ་མཛོད། ལྷག་པོར་གསུང་བ་རིམ་རིམ་གྱི་ལུང་ལྟར་ལྟོ་ལྟོ་བྱེད་པ་དེ་དང་། ལྷག་པོར་ཕྱི་ཆ་ལོ་ལྟར་
ཕྱག་ལུ་མཛོད་གསུང་། དཔེ་དཔྱད་ལྟར་ལྟོ་ལྟོ་བྱེད་པ་དེ་དང་། ལྷག་པོར་ཕྱི་ཆ་ལོ་ལྟར་ལྟོ་ལྟོ་བྱེད་པ་དེ་དང་།
གསུང་ལྟར་ལྟོ་ལྟོ་བྱེད་པ་དེ་དང་། ལྷག་པོར་ཕྱི་ཆ་ལོ་ལྟར་ལྟོ་ལྟོ་བྱེད་པ་དེ་དང་། ལྷག་པོར་ཕྱི་ཆ་ལོ་ལྟར་ལྟོ་ལྟོ་བྱེད་པ་དེ་དང་།
ལྷག་པོར་ཕྱི་ཆ་ལོ་ལྟར་ལྟོ་ལྟོ་བྱེད་པ་དེ་དང་། ལྷག་པོར་ཕྱི་ཆ་ལོ་ལྟར་ལྟོ་ལྟོ་བྱེད་པ་དེ་དང་། ལྷག་པོར་ཕྱི་ཆ་ལོ་ལྟར་ལྟོ་ལྟོ་བྱེད་པ་དེ་དང་།
ལྷག་པོར་ཕྱི་ཆ་ལོ་ལྟར་ལྟོ་ལྟོ་བྱེད་པ་དེ་དང་། ལྷག་པོར་ཕྱི་ཆ་ལོ་ལྟར་ལྟོ་ལྟོ་བྱེད་པ་དེ་དང་། ལྷག་པོར་ཕྱི་ཆ་ལོ་ལྟར་ལྟོ་ལྟོ་བྱེད་པ་དེ་དང་།
ལྷག་པོར་ཕྱི་ཆ་ལོ་ལྟར་ལྟོ་ལྟོ་བྱེད་པ་དེ་དང་། ལྷག་པོར་ཕྱི་ཆ་ལོ་ལྟར་ལྟོ་ལྟོ་བྱེད་པ་དེ་དང་། ལྷག་པོར་ཕྱི་ཆ་ལོ་ལྟར་ལྟོ་ལྟོ་བྱེད་པ་དེ་དང་།

卷之四

[illegible]

[illegible]

ཨ། །འབྲས་ཕུར་ལ་ཐོག་བེད། ཡོ་ལྷ་མ་ཉ་ལོ་དཀར་པོ་ལོ་མེ་རྟོག་ལ་མ་དོག་ལྷ་མ།
རྩ་བར་པ་ལ་བེད། ཕུས་ལྷ་མ། རི་རྩེ་ལ་རྩེ་མོ་ལ་དཀར་པོ་ལོ་མེ་ལ། ལྷ་མ་ལྷ་མ་རྩེ་མོ་ལ།
ལྷ་མ་ལོ་དཀར་པོ་ལ། ལྷ་མ། ལོ་མེ་ལོ་དཀར། ལོ་དཀར་ལོ་དཀར་ལ། ལོ་དཀར་ལོ་དཀར་ལ།
ལོ་དཀར་ལོ་དཀར་ལ། ལོ་དཀར་ལོ་དཀར་ལ། ལོ་དཀར་ལོ་དཀར་ལ། ལོ་དཀར་ལོ་དཀར་ལ།
ལོ་དཀར་ལོ་དཀར་ལ། ལོ་དཀར་ལོ་དཀར་ལ། ལོ་དཀར་ལོ་དཀར་ལ། ལོ་དཀར་ལོ་དཀར་ལ།

ལོ་དཀར་ལོ་དཀར་ལ།

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥

[illegible]

1
 2
 3
 4
 5

[illegible]

45

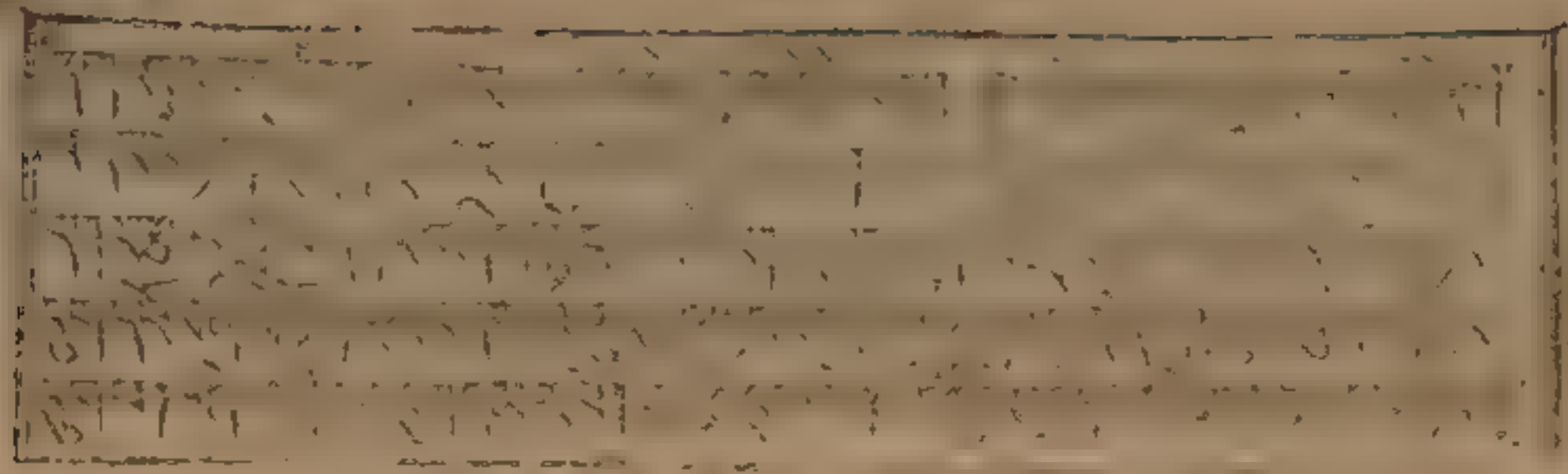
[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनि-
 शिष्य ॥ त्वं प्रवक्ष्यस्व मे ॥ नन्दन ॥
 कुरुक्षेत्रे भवत्युद्धातः ॥
 पाण्डवैर्बलैर्हस्तैश्च ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन ॥
 त्वं प्रवक्ष्यस्व मे ॥ नन्दन ॥
 कुरुक्षेत्रे भवत्युद्धातः ॥
 पाण्डवैर्बलैर्हस्तैश्च ॥

卷之四
 四
 五
 六
 七
 八
 九
 十
 十一
 十二
 十三
 十四
 十五
 十六
 十七
 十八
 十九
 二十
 二十一
 二十二
 二十三
 二十四
 二十五
 二十六
 二十七
 二十八
 二十九
 三十
 三十一
 三十二
 三十三
 三十四
 三十五
 三十六
 三十七
 三十八
 三十九
 四十
 四十一
 四十二
 四十三
 四十四
 四十五
 四十六
 四十七
 四十八
 四十九
 五十
 五十一
 五十二
 五十三
 五十四
 五十五
 五十六
 五十七
 五十八
 五十九
 六十
 六十一
 六十二
 六十三
 六十四
 六十五
 六十六
 六十七
 六十八
 六十九
 七十
 七十一
 七十二
 七十三
 七十四
 七十五
 七十六
 七十七
 七十八
 七十九
 八十
 八十一
 八十二
 八十三
 八十四
 八十五
 八十六
 八十七
 八十八
 八十九
 九十
 九十一
 九十二
 九十三
 九十四
 九十五
 九十六
 九十七
 九十八
 九十九
 一百

ॐ । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥



[illegible]

सकलं देवतायाम् । देवतायाम् । देवतायाम् । देवतायाम् । देवतायाम् ।
देवतायाम् । देवतायाम् । देवतायाम् । देवतायाम् । देवतायाम् । देवतायाम् ।
देवतायाम् । देवतायाम् । देवतायाम् । देवतायाम् । देवतायाम् । देवतायाम् ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

卷之四

मधुमत्स्यो ब्रह्मसूत्रो विदुषां प्रथमः । विदुषां प्रथमः प्रथमः ।
मधु । विदुषां प्रथमः प्रथमः प्रथमः । विदुषां प्रथमः प्रथमः ।
मधुमत्स्यो ब्रह्मसूत्रो विदुषां प्रथमः । विदुषां प्रथमः प्रथमः ।
मधुमत्स्यो ब्रह्मसूत्रो विदुषां प्रथमः । विदुषां प्रथमः प्रथमः ।
मधुमत्स्यो ब्रह्मसूत्रो विदुषां प्रथमः । विदुषां प्रथमः प्रथमः ।
मधुमत्स्यो ब्रह्मसूत्रो विदुषां प्रथमः । विदुषां प्रथमः प्रथमः ।
मधुमत्स्यो ब्रह्मसूत्रो विदुषां प्रथमः । विदुषां प्रथमः प्रथमः ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཨ། །ལོ་བྱ་རྒྱུ་ལ་བཅད་པའི་རྒྱུ་ལྟོས་ཤིང་། སྒྲུབ་ཀྱིས་བཅད་པའི་རྒྱུ་ལྟོས་ཤིང་།
གཙོ་རྒྱུ་ལྟོས་ཤིང་། །ལོ་རྒྱུ་ལྟོས་ཤིང་། གསལ་པ་ལྟོས་ཤིང་། །འོ་ །ལོ་རྒྱུ་ལྟོས་ཤིང་།
ལ་བཅད་པའི་རྒྱུ་ལྟོས་ཤིང་། ཡང་ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་།
བཅད་པའི་རྒྱུ་ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་།
ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་།
ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་། ལྟོས་ཤིང་།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



ॐ । विष्णुपुत्राय नमः । विष्णुपुत्राय नमः । विष्णुपुत्राय नमः । विष्णुपुत्राय नमः ।



The image shows a manuscript page with a large table of handwritten text in Devanagari script. The table is organized into multiple columns and rows. At the top of the table, there is a header row with text written in a larger, bolder script. The main body of the table contains several rows of text, with some cells appearing to be empty or containing very faint text. The page is aged and yellowed, and the handwriting is somewhat faded and difficult to read. The table is enclosed in a rectangular border, and there is a small rectangular box at the bottom right of the page.

一

५३

4227

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Arabic or Persian, and is organized into several lines. The frame is bordered by a decorative line. The text is dense and fills most of the rectangular area.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

蘇州府志

1007

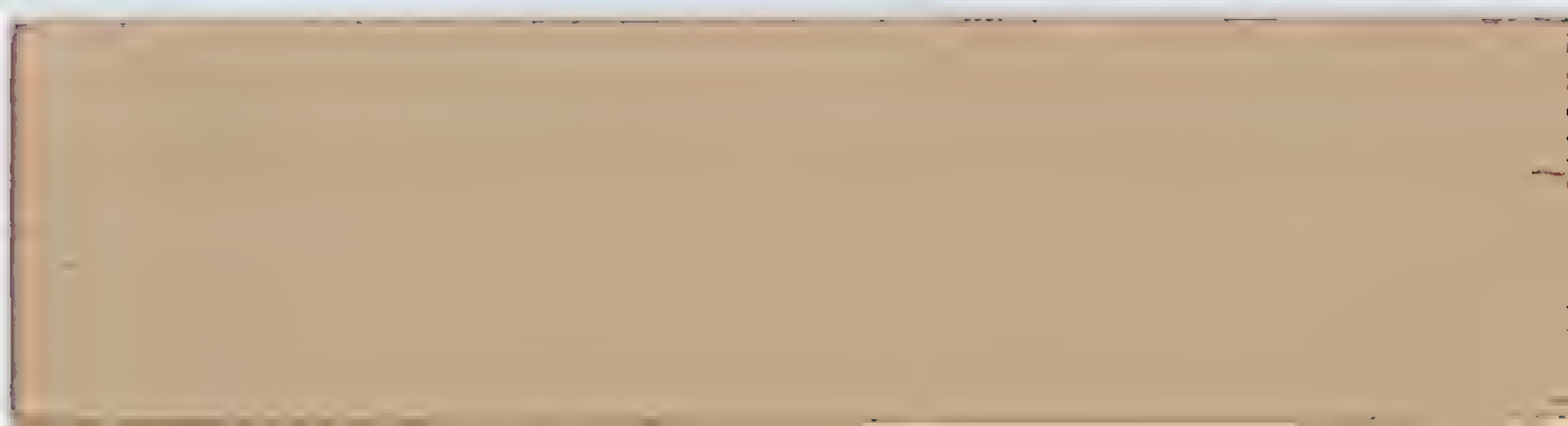
[illegible]

57

1997

115

[illegible]



31

此等文字，皆係古人所遺，不可不讀。

Handwritten text in a script, likely Indic, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and cursive, with some characters resembling Devanagari or similar Indic scripts. The text is written in dark ink on aged, slightly discolored paper.

Vertical text on the left margin, possibly a title or a reference, written in the same script as the main text.

संस्कृत-विज्ञान-संस्थान

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text at the top of the page, possibly a title or header.

Handwritten text within a rectangular border, consisting of approximately 10 lines of script.

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger page. The text is written in a cursive script, possibly a historical form of English or a related language. The page is numbered "1" in the bottom right corner.

... ..

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

[illegible]

101
[The text in this block is extremely faint and largely illegible. It appears to be a list or a series of entries, possibly in a table format, with some characters resembling numbers and letters. The text is written in a cursive script typical of historical documents.]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger. The text is written in a cursive script, possibly Urdu or Persian, and is organized into several lines. The frame is bordered by a double line, and the text is written in a dark ink on a light background.

॥ अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥
 ॥ ब्रह्मात्मनो यन्मयं सत्त्विकं शुद्धं च ॥
 ॥ तद्विद्यते नान्यथा ॥ इति श्रीकृष्णार्जुन
 ॥ संवादे ब्रह्मसूत्रनाम प्रथमः अध्यायः ॥

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger page. The text is organized into multiple columns and rows, possibly representing a table or a list of entries. The handwriting is dense and appears to be in a historical script, possibly Latin or a similar European language. The text is written in a cursive style, with many letters connected together. The overall appearance is that of an old, handwritten document.

32/22

[illegible]

[Faint, illegible handwritten text across the page]

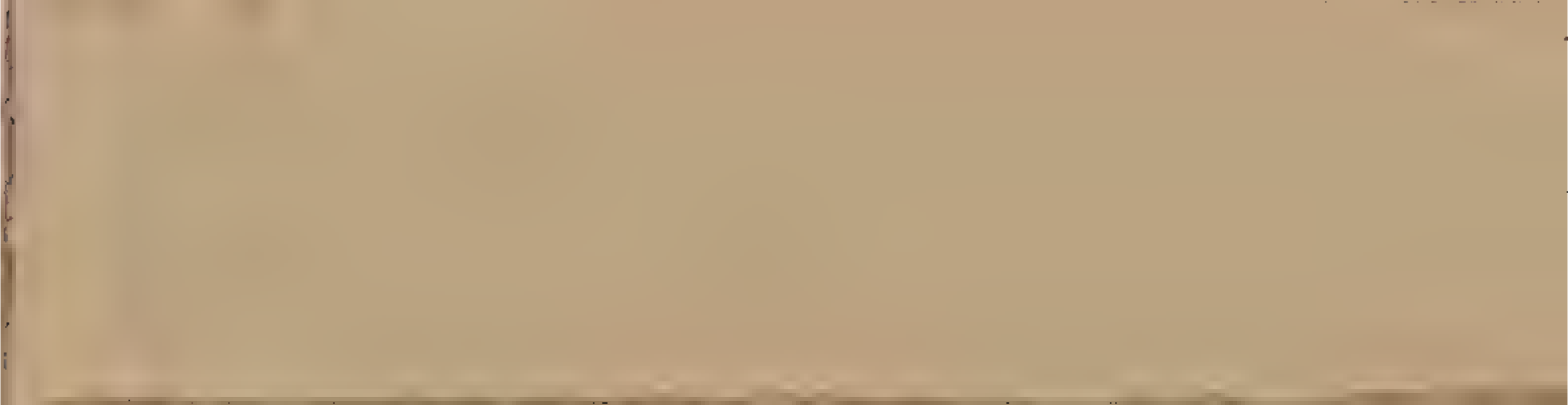
333-5711

1744

1771

11/11/11

ॐ ॥ प्रह्लादं नमस्कृत्य भगवन्मया प्रणम्य ।
 तस्मात्प्राप्तं भक्त्युपायं शृणु भगवन् ।
 भक्त्या भगवन्पूज्यं भक्त्या भगवन्पूज्यं ।
 भक्त्या भगवन्पूज्यं भक्त्या भगवन्पूज्यं ।

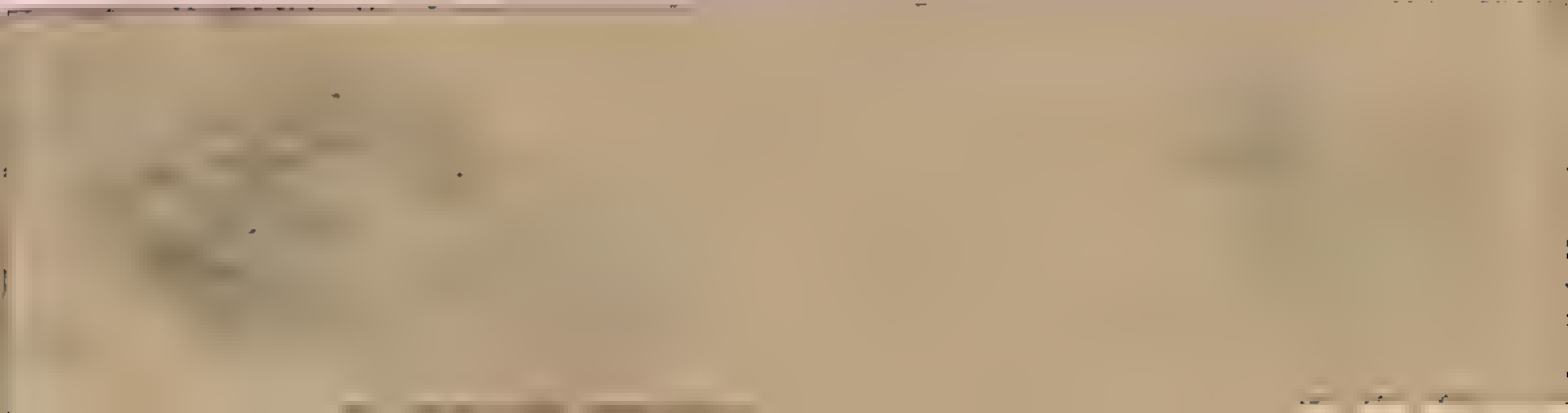


100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is organized into two main columns, separated by a vertical line. The left column contains approximately 10 lines of text, and the right column contains approximately 10 lines of text. The handwriting is dense and characteristic of early modern European cursive. The document is framed by a double-line border.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीविष्णवे नमः ॥ श्रीशिवाय नमः ॥ श्रीब्रह्माय नमः ॥ श्रीमहादेवाय नमः ॥ श्रीमहेश्वराय नमः ॥ श्रीमहामायाय नमः ॥ श्रीमहामायाय नमः ॥ श्रीमहामायाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
श्रीकृष्णाय नमः ॥

2

27

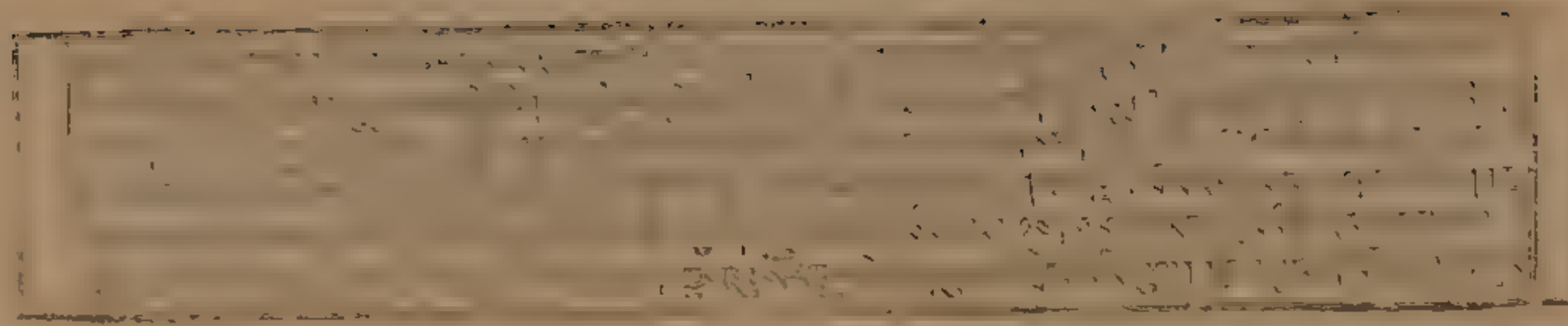
[illegible]

| No. | | Date | | Description | | Amount | |
|-----|--|------|-------|-------------|--|--------|--|
| 1 | | 1880 | Jan 1 | Balance | | 100.00 | |
| 2 | | 1880 | Feb 1 | Interest | | 5.00 | |
| 3 | | 1880 | Mar 1 | Interest | | 5.00 | |
| 4 | | 1880 | Apr 1 | Interest | | 5.00 | |
| 5 | | 1880 | May 1 | Interest | | 5.00 | |
| 6 | | 1880 | Jun 1 | Interest | | 5.00 | |
| 7 | | 1880 | Jul 1 | Interest | | 5.00 | |
| 8 | | 1880 | Aug 1 | Interest | | 5.00 | |
| 9 | | 1880 | Sep 1 | Interest | | 5.00 | |
| 10 | | 1880 | Oct 1 | Interest | | 5.00 | |
| 11 | | 1880 | Nov 1 | Interest | | 5.00 | |
| 12 | | 1880 | Dec 1 | Interest | | 5.00 | |
| 13 | | 1880 | Jan 1 | Interest | | 5.00 | |
| 14 | | 1880 | Feb 1 | Interest | | 5.00 | |
| 15 | | 1880 | Mar 1 | Interest | | 5.00 | |
| 16 | | 1880 | Apr 1 | Interest | | 5.00 | |
| 17 | | 1880 | May 1 | Interest | | 5.00 | |
| 18 | | 1880 | Jun 1 | Interest | | 5.00 | |
| 19 | | 1880 | Jul 1 | Interest | | 5.00 | |
| 20 | | 1880 | Aug 1 | Interest | | 5.00 | |
| 21 | | 1880 | Sep 1 | Interest | | 5.00 | |
| 22 | | 1880 | Oct 1 | Interest | | 5.00 | |
| 23 | | 1880 | Nov 1 | Interest | | 5.00 | |
| 24 | | 1880 | Dec 1 | Interest | | 5.00 | |
| 25 | | 1880 | Jan 1 | Interest | | 5.00 | |
| 26 | | 1880 | Feb 1 | Interest | | 5.00 | |
| 27 | | 1880 | Mar 1 | Interest | | 5.00 | |
| 28 | | 1880 | Apr 1 | Interest | | 5.00 | |
| 29 | | 1880 | May 1 | Interest | | 5.00 | |
| 30 | | 1880 | Jun 1 | Interest | | 5.00 | |
| 31 | | 1880 | Jul 1 | Interest | | 5.00 | |
| 32 | | 1880 | Aug 1 | Interest | | 5.00 | |
| 33 | | 1880 | Sep 1 | Interest | | 5.00 | |
| 34 | | 1880 | Oct 1 | Interest | | 5.00 | |
| 35 | | 1880 | Nov 1 | Interest | | 5.00 | |
| 36 | | 1880 | Dec 1 | Interest | | 5.00 | |
| 37 | | 1880 | Jan 1 | Interest | | 5.00 | |
| 38 | | 1880 | Feb 1 | Interest | | 5.00 | |
| 39 | | 1880 | Mar 1 | Interest | | 5.00 | |
| 40 | | 1880 | Apr 1 | Interest | | 5.00 | |
| 41 | | 1880 | May 1 | Interest | | 5.00 | |
| 42 | | 1880 | Jun 1 | Interest | | 5.00 | |
| 43 | | 1880 | Jul 1 | Interest | | 5.00 | |
| 44 | | 1880 | Aug 1 | Interest | | 5.00 | |
| 45 | | 1880 | Sep 1 | Interest | | 5.00 | |
| 46 | | 1880 | Oct 1 | Interest | | 5.00 | |
| 47 | | 1880 | Nov 1 | Interest | | 5.00 | |
| 48 | | 1880 | Dec 1 | Interest | | 5.00 | |
| 49 | | 1880 | Jan 1 | Interest | | 5.00 | |
| 50 | | 1880 | Feb 1 | Interest | | 5.00 | |
| 51 | | 1880 | Mar 1 | Interest | | 5.00 | |
| 52 | | 1880 | Apr 1 | Interest | | 5.00 | |
| 53 | | 1880 | May 1 | Interest | | 5.00 | |
| 54 | | 1880 | Jun 1 | Interest | | 5.00 | |
| 55 | | 1880 | Jul 1 | Interest | | 5.00 | |
| 56 | | 1880 | Aug 1 | Interest | | 5.00 | |
| 57 | | 1880 | Sep 1 | Interest | | 5.00 | |
| 58 | | 1880 | Oct 1 | Interest | | 5.00 | |
| 59 | | 1880 | Nov 1 | Interest | | 5.00 | |
| 60 | | 1880 | Dec 1 | Interest | | 5.00 | |
| 61 | | 1880 | Jan 1 | Interest | | 5.00 | |
| 62 | | 1880 | Feb 1 | Interest | | 5.00 | |
| 63 | | 1880 | Mar 1 | Interest | | 5.00 | |
| 64 | | 1880 | Apr 1 | Interest | | 5.00 | |
| 65 | | 1880 | May 1 | Interest | | 5.00 | |
| 66 | | 1880 | Jun 1 | Interest | | 5.00 | |
| 67 | | 1880 | Jul 1 | Interest | | 5.00 | |
| 68 | | 1880 | Aug 1 | Interest | | 5.00 | |
| 69 | | 1880 | Sep 1 | Interest | | 5.00 | |
| 70 | | 1880 | Oct 1 | Interest | | 5.00 | |
| 71 | | 1880 | Nov 1 | Interest | | 5.00 | |
| 72 | | 1880 | Dec 1 | Interest | | 5.00 | |
| 73 | | 1880 | Jan 1 | Interest | | 5.00 | |
| 74 | | 1880 | Feb 1 | Interest | | 5.00 | |
| 75 | | 1880 | Mar 1 | Interest | | 5.00 | |
| 76 | | 1880 | Apr 1 | Interest | | 5.00 | |
| 77 | | 1880 | May 1 | Interest | | 5.00 | |
| 78 | | 1880 | Jun 1 | Interest | | 5.00 | |
| 79 | | 1880 | Jul 1 | Interest | | 5.00 | |
| 80 | | 1880 | Aug 1 | Interest | | 5.00 | |
| 81 | | 1880 | Sep 1 | Interest | | 5.00 | |
| 82 | | 1880 | Oct 1 | Interest | | 5.00 | |
| 83 | | 1880 | Nov 1 | Interest | | 5.00 | |
| 84 | | 1880 | Dec 1 | Interest | | 5.00 | |
| 85 | | 1880 | Jan 1 | Interest | | 5.00 | |
| 86 | | 1880 | Feb 1 | Interest | | 5.00 | |
| 87 | | 1880 | Mar 1 | Interest | | 5.00 | |
| 88 | | 1880 | Apr 1 | Interest | | 5.00 | |
| 89 | | 1880 | May 1 | Interest | | 5.00 | |
| 90 | | 1880 | Jun 1 | Interest | | 5.00 | |
| 91 | | 1880 | Jul 1 | Interest | | 5.00 | |
| 92 | | 1880 | Aug 1 | Interest | | 5.00 | |
| 93 | | 1880 | Sep 1 | Interest | | 5.00 | |
| 94 | | 1880 | Oct 1 | Interest | | 5.00 | |
| 95 | | 1880 | Nov 1 | Interest | | 5.00 | |
| 96 | | 1880 | Dec 1 | Interest | | 5.00 | |
| 97 | | 1880 | Jan 1 | Interest | | 5.00 | |
| 98 | | 1880 | Feb 1 | Interest | | 5.00 | |
| 99 | | 1880 | Mar 1 | Interest | | 5.00 | |
| 100 | | 1880 | Apr 1 | Interest | | 5.00 | |

34

—

[illegible]



२१७

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is light-colored paper. The text is enclosed within a double-line border.

[illegible]



[illegible]

[illegible]

21.

25

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger page. The text is written in a cursive script, possibly Arabic or Persian, and is organized into multiple columns and rows. The handwriting is dense and fills the majority of the frame.

212

一

五

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Latin or Italian, and is organized into several lines. The ink is dark, and the paper appears aged and slightly discolored. The text is enclosed within a double-line border.

Vertical text on the right margin, possibly a page number or a reference mark.

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly from the 18th or 19th century. The page is numbered "1" in the top right corner. The text is organized into several lines, with some lines starting with a large initial letter. The handwriting is dense and fills most of the page area.

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly from the 17th or 18th century. The page is numbered "10" in the top right corner. The text is organized into several lines, with some lines starting with a large initial letter. The handwriting is somewhat faded and the ink is dark.

10

The text is written in a cursive script, possibly from the 17th or 18th century. The page is numbered "10" in the top right corner. The text is organized into several lines, with some lines starting with a large initial letter. The handwriting is somewhat faded and the ink is dark.

[illegible]

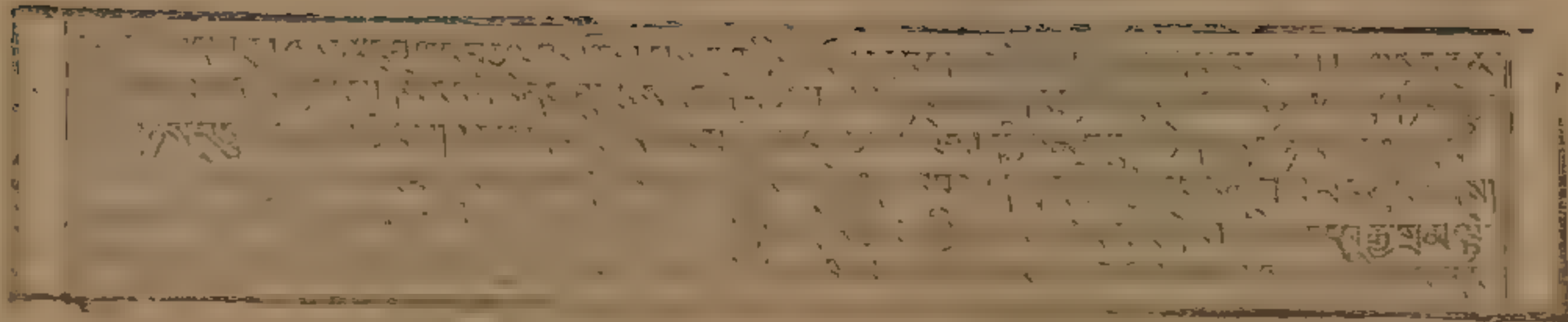
Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Latin or a historical European language. The page is framed by a double-line border. The text is arranged in several lines, with some words appearing to be in a different script or language than others, possibly indicating a mix of languages or a specific dialect. The handwriting is dense and fills most of the page area.

۱۳۱: ۱۴۱

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Hebrew or Arabic, and is organized into several lines. The page is aged and shows signs of wear, including discoloration and faint markings.

[illegible]



5

[illegible]

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-----|------|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 | 101 | 102 | 103 | 104 | 105 | 106 | 107 | 108 | 109 | 110 | 111 | 112 | 113 | 114 | 115 | 116 | 117 | 118 | 119 | 120 | 121 | 122 | 123 | 124 | 125 | 126 | 127 | 128 | 129 | 130 | 131 | 132 | 133 | 134 | 135 | 136 | 137 | 138 | 139 | 140 | 141 | 142 | 143 | 144 | 145 | 146 | 147 | 148 | 149 | 150 | 151 | 152 | 153 | 154 | 155 | 156 | 157 | 158 | 159 | 160 | 161 | 162 | 163 | 164 | 165 | 166 | 167 | 168 | 169 | 170 | 171 | 172 | 173 | 174 | 175 | 176 | 177 | 178 | 179 | 180 | 181 | 182 | 183 | 184 | 185 | 186 | 187 | 188 | 189 | 190 | 191 | 192 | 193 | 194 | 195 | 196 | 197 | 198 | 199 | 200 | 201 | 202 | 203 | 204 | 205 | 206 | 207 | 208 | 209 | 210 | 211 | 212 | 213 | 214 | 215 | 216 | 217 | 218 | 219 | 220 | 221 | 222 | 223 | 224 | 225 | 226 | 227 | 228 | 229 | 230 | 231 | 232 | 233 | 234 | 235 | 236 | 237 | 238 | 239 | 240 | 241 | 242 | 243 | 244 | 245 | 246 | 247 | 248 | 249 | 250 | 251 | 252 | 253 | 254 | 255 | 256 | 257 | 258 | 259 | 260 | 261 | 262 | 263 | 264 | 265 | 266 | 267 | 268 | 269 | 270 | 271 | 272 | 273 | 274 | 275 | 276 | 277 | 278 | 279 | 280 | 281 | 282 | 283 | 284 | 285 | 286 | 287 | 288 | 289 | 290 | 291 | 292 | 293 | 294 | 295 | 296 | 297 | 298 | 299 | 300 | 301 | 302 | 303 | 304 | 305 | 306 | 307 | 308 | 309 | 310 | 311 | 312 | 313 | 314 | 315 | 316 | 317 | 318 | 319 | 320 | 321 | 322 | 323 | 324 | 325 | 326 | 327 | 328 | 329 | 330 | 331 | 332 | 333 | 334 | 335 | 336 | 337 | 338 | 339 | 340 | 341 | 342 | 343 | 344 | 345 | 346 | 347 | 348 | 349 | 350 | 351 | 352 | 353 | 354 | 355 | 356 | 357 | 358 | 359 | 360 | 361 | 362 | 363 | 364 | 365 | 366 | 367 | 368 | 369 | 370 | 371 | 372 | 373 | 374 | 375 | 376 | 377 | 378 | 379 | 380 | 381 | 382 | 383 | 384 | 385 | 386 | 387 | 388 | 389 | 390 | 391 | 392 | 393 | 394 | 395 | 396 | 397 | 398 | 399 | 400 | 401 | 402 | 403 | 404 | 405 | 406 | 407 | 408 | 409 | 410 | 411 | 412 | 413 | 414 | 415 | 416 | 417 | 418 | 419 | 420 | 421 | 422 | 423 | 424 | 425 | 426 | 427 | 428 | 429 | 430 | 431 | 432 | 433 | 434 | 435 | 436 | 437 | 438 | 439 | 440 | 441 | 442 | 443 | 444 | 445 | 446 | 447 | 448 | 449 | 450 | 451 | 452 | 453 | 454 | 455 | 456 | 457 | 458 | 459 | 460 | 461 | 462 | 463 | 464 | 465 | 466 | 467 | 468 | 469 | 470 | 471 | 472 | 473 | 474 | 475 | 476 | 477 | 478 | 479 | 480 | 481 | 482 | 483 | 484 | 485 | 486 | 487 | 488 | 489 | 490 | 491 | 492 | 493 | 494 | 495 | 496 | 497 | 498 | 499 | 500 | 501 | 502 | 503 | 504 | 505 | 506 | 507 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 | 517 | 518 | 519 | 520 | 521 | 522 | 523 | 524 | 525 | 526 | 527 | 528 | 529 | 530 | 531 | 532 | 533 | 534 | 535 | 536 | 537 | 538 | 539 | 540 | 541 | 542 | 543 | 544 | 545 | 546 | 547 | 548 | 549 | 550 | 551 | 552 | 553 | 554 | 555 | 556 | 557 | 558 | 559 | 560 | 561 | 562 | 563 | 564 | 565 | 566 | 567 | 568 | 569 | 570 | 571 | 572 | 573 | 574 | 575 | 576 | 577 | 578 | 579 | 580 | 581 | 582 | 583 | 584 | 585 | 586 | 587 | 588 | 589 | 590 | 591 | 592 | 593 | 594 | 595 | 596 | 597 | 598 | 599 | 600 | 601 | 602 | 603 | 604 | 605 | 606 | 607 | 608 | 609 | 610 | 611 | 612 | 613 | 614 | 615 | 616 | 617 | 618 | 619 | 620 | 621 | 622 | 623 | 624 | 625 | 626 | 627 | 628 | 629 | 630 | 631 | 632 | 633 | 634 | 635 | 636 | 637 | 638 | 639 | 640 | 641 | 642 | 643 | 644 | 645 | 646 | 647 | 648 | 649 | 650 | 651 | 652 | 653 | 654 | 655 | 656 | 657 | 658 | 659 | 660 | 661 | 662 | 663 | 664 | 665 | 666 | 667 | 668 | 669 | 670 | 671 | 672 | 673 | 674 | 675 | 676 | 677 | 678 | 679 | 680 | 681 | 682 | 683 | 684 | 685 | 686 | 687 | 688 | 689 | 690 | 691 | 692 | 693 | 694 | 695 | 696 | 697 | 698 | 699 | 700 | 701 | 702 | 703 | 704 | 705 | 706 | 707 | 708 | 709 | 710 | 711 | 712 | 713 | 714 | 715 | 716 | 717 | 718 | 719 | 720 | 721 | 722 | 723 | 724 | 725 | 726 | 727 | 728 | 729 | 730 | 731 | 732 | 733 | 734 | 735 | 736 | 737 | 738 | 739 | 740 | 741 | 742 | 743 | 744 | 745 | 746 | 747 | 748 | 749 | 750 | 751 | 752 | 753 | 754 | 755 | 756 | 757 | 758 | 759 | 760 | 761 | 762 | 763 | 764 | 765 | 766 | 767 | 768 | 769 | 770 | 771 | 772 | 773 | 774 | 775 | 776 | 777 | 778 | 779 | 780 | 781 | 782 | 783 | 784 | 785 | 786 | 787 | 788 | 789 | 790 | 791 | 792 | 793 | 794 | 795 | 796 | 797 | 798 | 799 | 800 | 801 | 802 | 803 | 804 | 805 | 806 | 807 | 808 | 809 | 810 | 811 | 812 | 813 | 814 | 815 | 816 | 817 | 818 | 819 | 820 | 821 | 822 | 823 | 824 | 825 | 826 | 827 | 828 | 829 | 830 | 831 | 832 | 833 | 834 | 835 | 836 | 837 | 838 | 839 | 840 | 841 | 842 | 843 | 844 | 845 | 846 | 847 | 848 | 849 | 850 | 851 | 852 | 853 | 854 | 855 | 856 | 857 | 858 | 859 | 860 | 861 | 862 | 863 | 864 | 865 | 866 | 867 | 868 | 869 | 870 | 871 | 872 | 873 | 874 | 875 | 876 | 877 | 878 | 879 | 880 | 881 | 882 | 883 | 884 | 885 | 886 | 887 | 888 | 889 | 890 | 891 | 892 | 893 | 894 | 895 | 896 | 897 | 898 | 899 | 900 | 901 | 902 | 903 | 904 | 905 | 906 | 907 | 908 | 909 | 910 | 911 | 912 | 913 | 914 | 915 | 916 | 917 | 918 | 919 | 920 | 921 | 922 | 923 | 924 | 925 | 926 | 927 | 928 | 929 | 930 | 931 | 932 | 933 | 934 | 935 | 936 | 937 | 938 | 939 | 940 | 941 | 942 | 943 | 944 | 945 | 946 | 947 | 948 | 949 | 950 | 951 | 952 | 953 | 954 | 955 | 956 | 957 | 958 | 959 | 960 | 961 | 962 | 963 | 964 | 965 | 966 | 967 | 968 | 969 | 970 | 971 | 972 | 973 | 974 | 975 | 976 | 977 | 978 | 979 | 980 | 981 | 982 | 983 | 984 | 985 | 986 | 987 | 988 | 989 | 990 | 991 | 992 | 993 | 994 | 995 | 996 | 997 | 998 | 999 | 1000 | 1001 | 1002 | 1003 | 1004 | 1005 | 1006 | 1007 | 1008 | 1009 | 1010 | 1011 | 1012 | 1013 | 1014 | 1015 | 1016 | 1017 | 1018 | 1019 | 1020 | 1021 | 1022 | 1023 | 1024 | 1025 | 1026 | 1027 | 1028 | 1029 | 1030 | 1031 | 1032 | 1033 | 1034 | 1035 | 1036 | 1037 | 1038 | 1039 | 1040 | 1041 | 1042 | 1043 | 1044 | 1045 | 1046 | 1047 | 1048 | 1049 | 1050 | 1051 | 1052 | 1053 | 1054 | 1055 | 1056 | 1057 | 1058 | 1059 | 1060 | 1061 | 1062 | 1063 | 1064 | 1065 | 1066 | 1067 | 1068 | 1069 | 1070 | 1071 | 1072 | 1073 | 1074 | 1075 | 1076 | 1077 | 1078 | 1079 | 1080 | 1081 | 1082 | 1083 | 1084 | 1085 | 1086 | 1087 | 1088 | 1089 | 1090 | 1091 | 1092 | 1093 | 1094 | 1095 | 1096 | 1097 | 1098 | 1099 | 1100 | 1101 | 1102 | 1103 | 1104 | 1105 | 1106 | 1107 | 1108 | 1109 | 1110 | 1111 | 1112 | 1113 | 1114 | 1115 | 1116 | 1117 | 1118 | 1119 | 1120 | 1121 | 1122 | 1123 | 1124 | 1125 | 1126 | 1127 | 1128 | 1129 | 1130 | 1131 | 1132 | 1133 | 1134 | 1135 | 1136 | 1137 | 1138 | 1139 | 1140 | 1141 | 1142 | 1143 | 1144 | 1145 | 1146 | 1147 | 1148 | 1149 | 1150 | 1151 | 1152 | 1153 | 1154 | 1155 | 1156 | 1157 | 1158 | 1159 | 1160 | 1161 | 1162 | 1163 | 1164 | 1165 | 1166 | 1167 | 1168 | 1169 | 1170 | 1171 | 1172 | 1173 | 1174 | 1175 | 1176 | 1177 | 1178 | 1179 | 1180 | 1181 | 1182 | 1183 | 1184 | 1185 | 1186 | 1187 | 1188 | 1189 | 1190 | 1191 | 1192 | 1193 | 1194 | 1195 | 1196 | 1197 | 1198 | 1199 | 1200 | 1201 | 1202 | 1203 | 1204 | 1205 | 1206 | 1207 | 1208 | 1209 | 1210 | 1211 | 1212 | 1213 | 1214 | 1215 | 1216 | 1217 | 1218 | 1219 | 1220 | 1221 | 1222 | 1223 | 1224 | 1225 | 1226 | 1227 | 1228 | 1229 | 1230 | 1231 | 1232 | 1233 | 1234 | 1235 | 1236 | 1237 | 1238 | 1239 | 1240 | 1241 | 1242 | 1243 | 1244 | 1245 | 1246 | 1247 | 1248 | 1249 | 1250 | 1251 | 1252 | 1253 | 1254 | 1255 | 1256 | 1257 | 1258 | 1259 | 1260 | 1261 | 1262 | 1263 | 1264 | 1265 | 1266 | 1267 | 1268 | 1269 | 1270 | 1271 | 1272 | 1273 | 1274 | 1275 | 1276 | 1277 | 1278 | 1279 | 1280 | 1281 | 1282 | 1283 | 1284 | 1285 | 1286 | 1287 | 1288 | 1289 | 1290 | 1291 | 1292 | 1293 | 1294 | 1295 | 1296 | 1297 | 1298 | 1299 | 1300 | 1301 | 1302 | 1303 | 1304 | 1305 | 1306 | 1307 | 1308 | 1309 | 1310 | 1311 | 1312 | 1313 | 1314 | 1315 | 1316 | 1317 | 1318 | 1319 | 1320 | 1321 | 1322 | 1323 | 1324 | 1325 | 1326 | 1327 | 1328 | 1329 | 1330 | 1331 | 1332 | 1333 | 1334 | 1335 | 1336 | 1337 | 1338 | 1339 | 1340 | 1341 | 1342 | 1343 | 1344 | 1345 | 1346 | 1347 | 1348 | 1349 | 1350 | 1351 | 1352 | 1353 | 1354 | 1355 | 1356 | 1357 | 1358 | 1359 | 1360 | 1361 | 1362 | 1363 | 1364 | 1365 | 1366 | 1367 | 1368 | 1369 | 1370 | 1371 | 1372 | 1373 | 1374 | 1375 | 1376 | 1377 | 1378 | 1379 | 1380 | 1381 | 1382 | 1383 | 1384 | 1385 | 1386 | 1387 | 1388 | 1389 | 1390 | 1391 | 1392 | 1393 | 1394 | 1395 | 1396 | 1397 | 1398 | 1399 | 1400 | 1401 | 1402 | 1403 | 1404 | 1405 | 1406 | 1407 | 1408 | 1409 | 1410 | 1411 | 1412 | 1413 | 1414 | 1415 | 1416 | 1417 | 1418 | 1419 | 1420 | 1421 | 1422 | 1423 | 1424 | 1425 | 1426 | 1427 | 1428 | 1429 | 1430 | 1431 | 1432 | 1433 | 1434 | 1435 | 1436 | 1437 | 1438 | 1439 | 1440 | 1441 | 1442 | 1443 | 1444 | 1445 | 1446 | 1447 | 1448 | 1449 | 1450 | 1451 | 1452 | 1453 | 1454 | 1455 | 1456 | 1457 | 1458 | 1459 | 1460 | 1461 | 1462 | 1463 | 1464 | 1465 | 1466 | 1467 | 1468 | 1469 | 1470 | 1471 | 1472 | 1473 | 1474 | 1475 | 1476 | 1477 | 1478 | 1479 | 1480 | 1481 | 1482 | 1483 | 1484 | 1485 | 1486 | 1487 | 1488 | 1489 | 1490 | 1491 | 1492 | 1493 | 1494 | 1495 | 1 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-----|------|---|

[illegible]

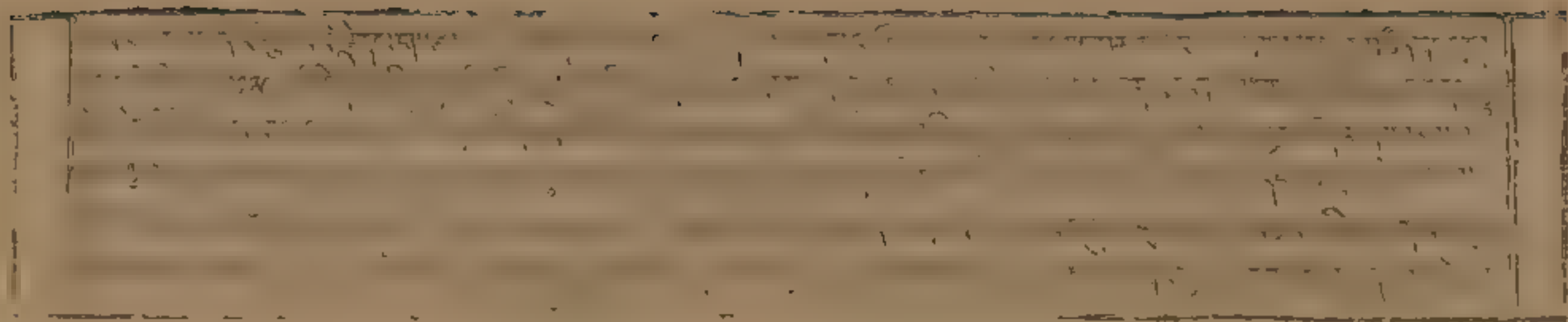
Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into multiple lines. The page is aged and shows signs of wear, including stains and discoloration.

9

591

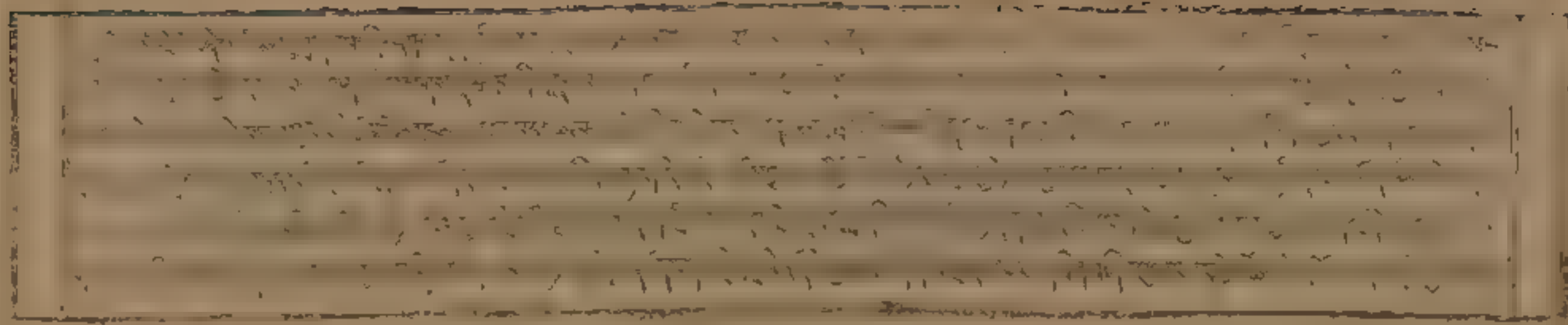
55

[illegible]



215

[illegible]



21

159

[illegible]

221

॥ योऽहं न विदुः सुखं न दुःखं न भयं न मृत्युम् ॥

ਯੋਗਨੁਕਸਾਨੁਕ੍ਰਿਤਾਨਿਰੁਪੁਰੀਕਠਕੁਏ

འཛམ་གླིང་འཛམ་གླིང་འཛམ་གླིང་།

མཆོད། །ལེགས་པ་པར་མཐོང་ནས་འབད་པ་དུ་མ་ཡིས། །ཐུག་པ་ཆེན་པོ་པར་ཐོན་པར་བྱེད་ཐུག་ཐོབ་པས། །ལན་པ་ཅི་གི་རྟོག་པ་འདི་དཔ་པའི་
ཆེན་པོ་པར་ཐོབ། །འིན་ཏུ་རྟོག་པ་འདི་ཆེན་པོ་པར་ཐོབ་པས། །འིན་ཏུ་རྟོག་པ་འདི་ཆེན་པོ་པར་ཐོབ་པས། །ཆུ་ཆེན་པོ་པར་ཐོབ་པས་བྱེད་པར་བྱེད་
ཐོབ་ཐོབ་པས། །ཐུག་པ་ཆེན་པོ་པར་ཐོབ་པས་བྱེད་པར་བྱེད་པས། །ཐུག་པ་ཆེན་པོ་པར་ཐོབ་པས་བྱེད་པར་བྱེད་པས། །འིན་ཏུ་རྟོག་པ་འདི་ཆེན་པོ་པར་ཐོབ་པས།
ཐུག་པ་ཆེན་པོ་པར་ཐོབ་པས་བྱེད་པར་བྱེད་པས། །ཐུག་པ་ཆེན་པོ་པར་ཐོབ་པས་བྱེད་པར་བྱེད་པས། །ཐུག་པ་ཆེན་པོ་པར་ཐོབ་པས་བྱེད་པར་བྱེད་པས། །ཐུག་པ་ཆེན་པོ་པར་ཐོབ་པས་བྱེད་པར་བྱེད་པས།
ཐུག་པ་ཆེན་པོ་པར་ཐོབ་པས་བྱེད་པར་བྱེད་པས། །ཐུག་པ་ཆེན་པོ་པར་ཐོབ་པས་བྱེད་པར་བྱེད་པས། །ཐུག་པ་ཆེན་པོ་པར་ཐོབ་པས་བྱེད་པར་བྱེད་པས། །ཐུག་པ་ཆེན་པོ་པར་ཐོབ་པས་བྱེད་པར་བྱེད་པས།
ཐུག་པ་ཆེན་པོ་པར་ཐོབ་པས་བྱེད་པར་བྱེད་པས། །ཐུག་པ་ཆེན་པོ་པར་ཐོབ་པས་བྱེད་པར་བྱེད་པས། །ཐུག་པ་ཆེན་པོ་པར་ཐོབ་པས་བྱེད་པར་བྱེད་པས། །ཐུག་པ་ཆེན་པོ་པར་ཐོབ་པས་བྱེད་པར་བྱེད་པས།

[illegible]

[illegible]